

ZINC news

हिन्दुस्तान जिंक का मुख पत्र | THE HOUSE JOURNAL OF HINDUSTAN ZINC



HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India



कन्हैया लाल सुथार

इलेक्ट्रिशियन,
फ्यूमर प्लांट,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर

रतन लाल वैष्णव

मील राइट फिटर,
हाइड्रो 2, एसएस कंपनी,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर

अशोक कुमार गंवारिया

मैकेनिकल मैटेनेंस टेक्निशियन,
केम्प पावर प्लांट,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर

बाबुलाल माली

मैकेनिकल सुपरवाइजर,
मोनोमार्क इंजीनियरिंग इंडिया प्रा. लि.,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर

भंवर सिंह राणावत

वैल्डर,
एसएस कंपनी,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर

प्रवीण सिंह रावौड़

फिटर,
पीटीएम कंपनी,
चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर



सुरक्षा करें हम तीन की, स्वयं, साथी और मशीन की

Lead story
Page 1

नियमों का उल्लंघन नहीं करें • दुर्घटना की सूचना दें • वर्क परमिट लें, सीट बेल्ट ज़रूरी है
नशे का सेवन कर कार्यस्थल पर नहीं आएं • सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें

More inside

10

Vedanta sets up
500th Nand Ghar;
Reaches out to over
17,000 children



Other Stories

- 05 Safety Story : Rewards & Recognition
- 09 11 Machines to aid in Cleaning Ajmer Dargah
- 12 We @ Zinc - CSR by Mrs. Neelima Khetan, Head-CSR
- 18 Hindustan Zinc receives Best Award for Risk Management-Sustainability
- 20 Hindustan Zinc featured in Sustainability Year Book 2019
- 21 शून्य दुर्घटना - शून्य क्षति के लक्ष्य के साथ हिन्दुस्तान जिंक में 48वाँ सुरक्षा सप्ताह सम्पन्न
- 22 30th Road Safety Week Celebration at Hindustan Zinc
- 30 Safety Town Hall at Hindustan Zinc
- 32 Conference on Indian Industrial Minerals by FIMI at Udaipur
- 33 111 Engineering Students get scholarships under Yashad Sumedha Scholarship Program
- 39 Formation of Sakhi Federation at HZL
- 41 Nand Ghar Inauguration at Kayad Mine
- 43 राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स द्वारा राष्ट्रीय किसान मेला का आयोजन
- 45 Hindustan Zinc establishes the culture of audio-described movies for visually-impaired in India
- 49 Kid's Column!!



'Self-reliance in major minerals is our goal'
- Mr. Sunil Duggal
CEO, HZL

13

16

Smt. Maneka Sanjay Gandhi confers National Awards to Anganwadi Workers for Exceptional Achievements under ICDS Scheme



International Women's Day
- Sakhi Utsav 2019

24



Hindustan Zinc

Corporate Communication Cell
Yashad Bhawan, Udaipur - 313004
E-mail : hzllcorpcomm@vedanta.co.in
www.hzllindia.com

सुरक्षा करें हम तीन की, स्वयं, साथी और मशीन की।

नियमों का
उल्लंघन
ना करें।

हिन्दुस्तान ज़िंक का
प्रत्येक श्रमिक और
कर्मचारी सुरक्षा का
ब्राण्ड एम्बेसेडर है जो
कि अपने साथी को
कार्यस्थल एवं कार्य
स्थल के बाहर सुरक्षा
के प्रति जागरूक
करता है।

आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या काफी बढ़ गयी है और इस समस्या का कोई एक कारण नहीं है। वास्तव में ऐसे कई सारे कारण हैं जो सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं। सामान्यतः सड़क दुर्घटनाओं का मूल कारण यातायात नियमों की जानकारी ना होना, अपरिपक्व चालक द्वारा वाहन चलाना, सीमा गति से अधिक गति में वाहन चलाना, सुरक्षा उपायों की अनदेखी करना, यातायात नियमों का पालन ना करना, सड़कों की स्थिति खराब होना आदि हैं।

हमारे देश में दिन-प्रतिदिन बढ़ती वाहनों की संख्या को देखते हुए अब यह आवश्यक हो चुका है कि हम सड़क सुरक्षा से जुड़े मानकों को अनिवार्य रूप से अपनायें क्योंकि मात्र इसी के द्वारा ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के साथ ही इन दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की भी संख्या बढ़ती जा रही है। यदि इस समस्या पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो सड़क दुर्घटना की यह समस्या आगे चलकर और भी भयावह रूप धारण कर लेगी।

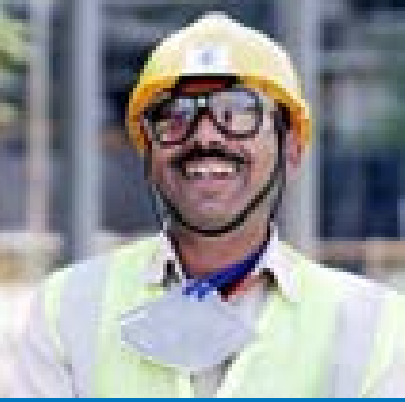
- पूरे विश्व भर में प्रतिवर्ष 13 लाख लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवा देते हैं।
- भारत में प्रतिवर्ष 1.5 लाख लोगों की सड़क हादसों में मृत्यु हो जाती है।
- शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क हादसों का सबसे प्रमुख कारण है।
- पूरे वर्ष सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु में 25 प्रतिशत दुपहिया वाहन चालक होते हैं।
- भारत में होने वाले सड़क हादसों में लगभग 16 बच्चे प्रतिदिन अपनी जान गंवा बैठते हैं।

यदि इन तथ्यों पर गौर किया जाये, तो भविष्य में यह समस्या और भी ज्यादा भयावह होने वाली है। एक शोध में इस बात का पता चला है कि यदि हालात ऐसे ही रहे तो सन् 2020 तक प्रतिवर्ष 20 लाख लोग सड़क हादसों में अपनी जान गवायेंगे।

वाहनों तथा पैदल यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए कई सारे नियम बनाये गये हैं और यदि इनका पालन किया जाये तो मानवीय गलतियों के कारण होने वाले सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

- पैदल चलते वक्त हमेशा फुटपाथ का प्रयोग करना चाहिए और जहाँ फुटपाथ ना हो वहाँ सदैव सड़क के बाएं ओर से चलना चाहिए।
- वाहन चलाते या सड़क यात्रा के वक्त कभी जल्दबाजी ना दिखाएं, कभी भी सिग्नल तोड़कर या जल्दबाजी में भागकर रास्ता पार ना करें।
- ट्रैफिक सिग्नल तथा नियमों की पूरी जानकारी रखें और सदैव इनका पालन करें।
- सड़क पार करते वक्त जेब्रा क्रॉसिंग, फुट ओवर ब्रिज से करे और जहाँ यह सुविधाएँ ना हों, वहाँ सड़क के दोनों तरफ देखकर ही सड़क पार करें।
- कभी भी रेड सिग्नल पर सड़क पार करने का प्रयास ना करें। सड़क पार करते वक्त हमेशा ग्रीन सिग्नल का ध्यान रखें।
- पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे कि बस आदि में दौड़कर चढ़ने की कोशिश ना करें।
- उतरते वक्त भी बस के पूरी तरह से रुकने पर ही उतरें, कभी भी चलती बस से उतरने का प्रयास ना करें। कभी भी नशे के हालत में वाहन ना चलायें। वाहन चलाते तथा सवारी के वक्त सीट बेल्ट पहनना, हेलमेट लगाना जैसे सुरक्षा उपायों को अपनायें। वाहन चलाते वक्त मेकअप करना, बाल संवारना या फोन पर बात करने जैसे कार्य ना करें। सदैव यातायात नियमों का पालन करें। वाहन की गति पर नियंत्रण रखें।
- यदि हम सब वाहन चलाते वक्त नियमों का पालन करें और संयम बरतें तो सड़क सुरक्षा के इस सपने को एक दिन अवश्य ही साकार कर पायेंगे।

बाबुलाल माली



सुरक्षा
उपकरणों का
उपयोग करें।

मैकेनिकल सुपरवाइजर,
मोनोमार्क इंजीनियरिंग इंडिया प्रा.लि., चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

“हमारी सुरक्षा का असली इम्तिहान बाकी है,
हमारी सुरक्षा की असली उड़ान बाकी है,
अभी अभी तो लांघा है समुद्र हमने,
अभी पूरा आसमान बाकी है।

यह कहते वक़्त बाबुलाल जी अपने प्लांट में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा समारोह के समापन समारोह के कार्यक्रम में चित्रगुप्त का रोल निभा रहे थे। चित्रगुप्त जिस तरह हर इंसान के अच्छे बुरे का लेखा जोखा रखते हैं उसी तरह बाबुलाल भी लेखा जोखा रखते हैं अपनी और अपने साथियों द्वारा की गयी सुरक्षा के प्रति लापरवाहियों और गलतियों का न सिर्फ लेखा जोखा बल्कि उसके सुधार के लिए भी इन्होंने कई नवाचार किये हैं। अपने साथियों की सुरक्षा को भी अपनी जिम्मेदारी मानते हुए उनके कार्यस्थल को जोखिम से मुक्त और सरल करना इन्हे बहुत अच्छा लगता है। इनकी इसी अच्छाई की वजह से ये बेस्ट सेपटी कांशियस पर्सन के अवार्ड से पुरस्कृत किये गये हैं। इन्होंने अपने उच्च अधिकारियों की प्रेरणा और सहायता से अपने आस-पास जीएसटी सिस्टम लागू किया है जिसका अर्थ है जनरल सेपटी टॉक, जिसमें ये प्लांट परिसर और बाहर होने वाली हर सुरक्षा खामी और घटना-दुर्घटना को आपस में चर्चा कर इस प्रकार की दुर्घटना से अपने साथियों को सावधान रहने की ओर प्रेरित करते हैं। यही नहीं, इन्होंने क्वालिटी सर्कल की टीम बना सुरक्षा को लेकर शॉर्ट टर्म और लॉग टर्म प्लान और उनके लक्ष्य बना उन मुद्दों को दूर करने की ठान रखी है जो इनके और इनके साथियों की सुरक्षा के लिए खतरा है। सुरक्षा का यह घेरा इन्होंने अपने कार्यस्थल ही नहीं अपने घर में, परिवार में और समाज में भी बना रखा है जिसमें इनके दोनों बच्चे और पत्नी तो साथ देती हैं साथ ही अन्य साथियों के सहयोग से 10 वर्षों से हिन्दुस्तान ज़िंक से जुड़ने के बाद इन्होंने सुरक्षा की जिम्मेदारी को अमल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।”

रतन लाल वैष्णव



मील राइट फ़िटर,
हाईड्रो 2, एसएस कंपनी, चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

“प्लांट परिसर में किसी भी तरह की एक ही समस्या का बार-बार होना ना सिर्फ उस कार्य को दोबारा करने में उबाउपन लाता है बल्कि उसमें अरुचि होना भी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है जिसे दूर करने के लिए रतन सुरक्षा रत्न की तरह है जो किसी भी असुरक्षित स्थान को परंपरा बनने के बजाय उसे आसान करने में विश्वास रखते हैं। इन्होंने डेस वेयर वेंट वॉल पर दो अलग अलग दो फिक्स नॉन रिटर्न वॉल की जगह पर रिवाइलिंग रिटर्न वॉल लगा कर उस कार्य को करने में लगने वाल समय, मूल्य और सबसे अधिक उसकी असुरक्षा को खत्म कर दिया जिसमें कार्य करते हुए जोखिम था। यही नहीं, इनकी सुरक्षा की मुख्य वजह पढ़कर आप भी निश्चित तौर पर प्रेरित होंगे जो है – इनकी पत्नी नौसर देवी जिनका सुरक्षा के प्रति जज्बा स्वयं से शुरू होता है क्योंकि वे बिना हेलमेट लगाए दुपहिया वाहन पर नहीं बैठती, ना रतन जी को बिना हेलमेट के वाहन चलाने देती हैं। इनकी निर्णय क्षमता और दृढ़ निश्चय का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता कि वे अपने दो बेटे और एक बेटी को दुपहिया वाहन पर स्कूल नहीं जाने देती हैं बल्कि ऑटो से भेजती हैं और अपने सबसे बड़े बेटे को 18 वर्ष की उम्र से पूर्व वाहन चलाने की अनुमति भी नहीं है। सामाजिक सम्मान हेतु घूँघट के बावजूद सुरक्षा के प्रति नौसर देवी की प्रेरणा से रतन लाल वैष्णव अब तक अपने कई रिश्तेदारों को हेलमेट दिला चुके हैं। इनका मानना है कि असंभव कुछ भी नहीं है तब सुरक्षा असंभव कैसे हो सकती है?”

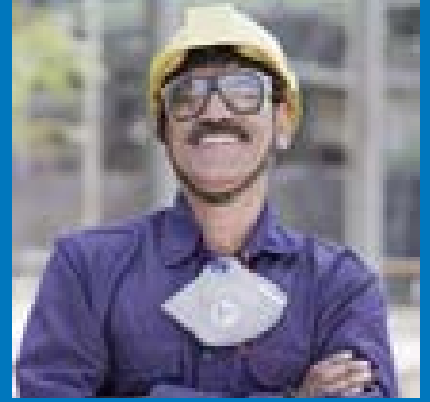
प्रवीण सिंह राठौड़



नशे का
सेवन कर
कार्यस्थल पर
नहीं आएँ।

फिटर,
पीटीएम कंपनी, चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

भंवर सिंह राणावत



वैल्डर,
एसएस कंपनी, चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

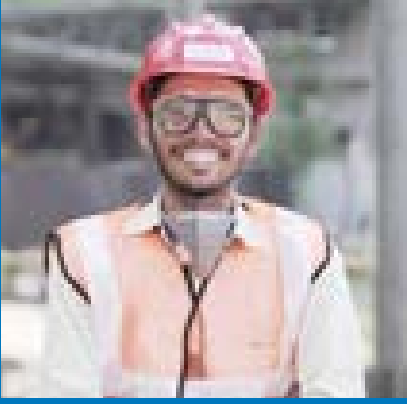
“

यदि आप सड़क पर चलते वक्त भी देख कर ध्यान से नहीं चलेंगे तो आप ठोकर खा कर गिर सकते हैं या किसी भी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। फिर यदि आप किसी भी कारखाने में कार्य कर रहे हैं तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि ना सिर्फ आप स्वयं देख कर समझ कर कार्य करें बल्कि अपने साथ कार्य करने वाले साथी की सुरक्षा को भी प्राथमिकता में रखते हुए कार्य करें। प्रवीण सिंह राठौड़, क्योंकि सिविल डिपार्टमेंट में फिटर के पद पर हैं अक्सर नियर मिस और कैजन के लिए इन्हें काम सौंपा जाता है और ये अपने उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार, साथियों की सुरक्षा के लिए प्लांट परिसर में आने वाली असुरक्षित बाधा को दूर करते हैं। अपनी पत्नी दो बच्चों के साथ हिन्दुस्तान ज़िंक के समीप ही पुठोली गाँव में रहने वाले प्रवीण का मानना है कि वे 17 वर्षों से हिन्दुस्तान ज़िंक से जुड़े हुए हैं और कार्य कर रहे हैं और धीरे-धीरे अब यह सुरक्षा का माहौल हर कर्मचारी के मन में है जिसे स्वयं की जिम्मेदारी समझ कर उसे सुनिश्चित कर रहे हैं। इनका कहना है कि खतरों की पहचान कर जोखिम को दूर करना ही दुर्घटना को टालने का सबसे सशक्त माध्यम है जिसे कार्य स्थल और सड़क प्रत्येक जगह अमल में लाकर सुरक्षित रखा जा सकता है। ”

“

प्लांट परिसर हो, घर हो या सड़क पर सफर, अब सबसे पहले सुरक्षा का ख्याल आता है और यह सब हिन्दुस्तान ज़िंक से जुड़ने से संभव हो पाया है। कार्य करने की योजना में सबसे पहले अब मैं और मेरे साथी जिस तरह जॉब सेप्टी का आंकलन करते हैं उसी तरह घर में चाहे सिलेण्डर लगाना हो, इलेक्ट्रिकल सेप्टी हो या दुपहिया, चौपहिया वाहन से सड़क पर सफर करना हो, हम पहले सुरक्षा का ख्याल कर उसे सुनिश्चित करते हैं। सारंगपुरा गाँव के रहने वाले भंवर सिंह 2007 से पायरो प्लांट में कार्य कर रहे हैं। विगत 12 वर्षों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता अब इनकी प्राथमिकता बन गयी है, वैल्डिंग के कार्य से जुड़े होने के कारण कई जगहों पर कार्य करना इनके और साथी कर्मचारियों के लिए मुश्किल हो जाती है। ऐसा ही उदाहरण लिचिंग प्लांट में पंप को साफ करने में होने वाले समय और सुरक्षा का है जिसे फ्लेंज के प्रयोग से इन्होंने आसान एवं सुरक्षित कर दिया। सुरक्षा प्राथमिकता है जिसे ये परिवार में भी अमल करते हैं। इनका मानना है कि पीपीई से लेकर कार्यस्थल पर आवश्यक सुरक्षा निर्देशों की पालना यदि ईमानदारी से की जाए तो दुर्घटना को रोका जा सकता है। ”

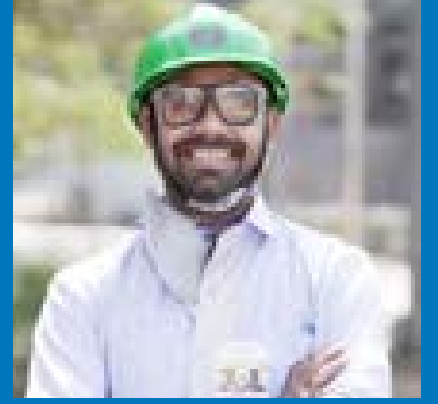
कन्हैया लाल सुथार



वर्क परमिट लें,
सीट बेल्ट
जरूरी है।

इलेक्ट्रिशियन,
फ्यूमर प्लांट, चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

अशोक कुमार गंवारिया



मैकेनिकल मैटेनेंस टेक्निशियन
केप्टिव पावर प्लांट, चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर

“

हिन्दुस्तान ज़िंक में कार्य करने से पहले मैंने यहाँ सुरक्षा के बारे में सावधानियों और सुरक्षा को व्यवहार में लाने के बारे में सिर्फ सुना था लेकिन यहाँ अब कार्य करने पर उसे सही पाया है कि सुरक्षा स्वयं, साथियों, परिवार और देश के उत्थान के लिए भी आवश्यक है। यदि किसी के भी घर परिवार में कोई दुर्घटना होती है तो उसका परिवार ही नहीं समाज और देश की उन्नति भी प्रभावित होती है। कन्हैया लाल को 20 वर्ष की उम्र में बेस्ट सेफटी कांशियस पर्सन का पुरस्कार ना सिर्फ उनके लिए बल्कि उनकी उम्र के साथियों और उनके भाईयों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। इस उपलब्धि पर कन्हैया के पिताजी को भी गर्व है जो कि उनके आदर्श भी हैं। जीवन में कई छोटी बड़ी कठिनाईयों के साथ ही इनके पिता इन्हें हमेशा सुरक्षा के लिए भी सचेत करते हैं। सामान्य किसान परिवार से होते हुए भी इनके परिजन सुरक्षा के बारे में सदैव दूसरों को प्रेरित करते हैं। घर में तीन और भाईयों में से दो की युवा उम्र होने पर भी बिना लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति नहीं होना परिवार की सुरक्षा के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। कन्हैया स्वयं और अपने साथियों की सुरक्षा के प्रति सजग होते हुए टीम को और दूसरे साथियों को भी हिन्दुस्तान ज़िंक में सुरक्षा के प्रति नियमों और आवश्यकता के बारे में जागरूक करते रहते हैं। ”

“

हिन्दुस्तान ज़िंक में आरोहण यात्रा की शुरुआत में 5 पिलर कांट्रेक्टर सेफटी मैनेजमेंट, प्रोसेस सेफटी मैनेजमेंट, इंवेस्टीगेशन मैनेजमेंट, स्टेण्डर्ड रूल्स एण्ड प्रोसिजर्स एवं सेफटी इंटरैक्शन से संबंधित नुककड़ नाटक में एसआई का अभिनय करते हुए यह समझ आया कि सुरक्षा के कितने सारे पहलू हैं और कार्य को अपने और अपनी साथियों की सुरक्षा के साथ कैसे करना है। यह बताते हुए अशोक कुमार गर्व के साथ खुश नज़र आए कि इस बार बेस्ट सेफटी कांशियस पर्सन का पुरस्कार जीतने के अवसर उनके पिता, उनके मामा और उनके भाई भी मौजूद थे जिन्होंने वाट्सअप पर बने गाँव के ग्रुप में उनकी उपलब्धि का फोटो शेयर किया तो उसमें आने वाली बधाईयों में गाँव का नाम रोशन करने की बात भी थी। पिता और रिश्तेदारों ने अशोक कुमार को ईनाम मिलने से अधिक स्वयं के नाम को रोशन करने पर गर्व किया तो सुरक्षा के प्रति और अधिक जिम्मेदारी का अहसास होने लगा है। हिन्दुस्तान ज़िंक में हर माह होने वाले सुरक्षा कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना और दूसरों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना अब व्यवहार में आ चुका है जिससे परिवार के साथ साथ साथी कर्मचारी सुरक्षित और खुशी महसूस करते हैं। सावधानी हटी और दुर्घटना घटी का संदेश अमल में लाने को अपना मूलमंत्र मानते हुए अशोक सभी से यही अपील करते हैं कि मेरी सुरक्षा के साथ-साथ साथी की सुरक्षा भी मेरी जिम्मेदारी है। ”

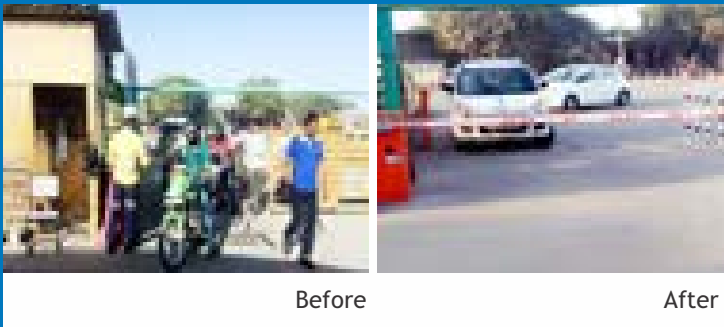


Rewards & Recognition

Integrated Parking Management System at RAM

The parking management has been automated at Rampura Agucha Mine by installing biometric machine and integrated the same with Savior system and boom barrier, which ensures only authorized employee entrance at parking area.

The system will stop unauthorized entry of vehicles, avoid man-machine and machine to machine interaction, restrict personnel from coming under line of fire of incoming vehicle and also reduce the man-power deployed at parking lot for controlling vehicle movement. The team members for the execution of the project were Mr. Mandeep Singh, Mr. Nishanth N., Mr. Puneet Bordia and Ms. Payal Lohar.



Before

After



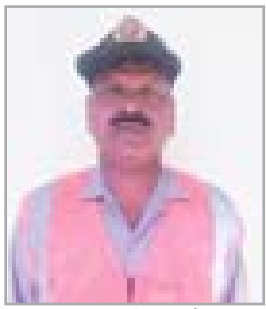
रवि शंकर धाकड़
सी.एस.सी. हाइड्रो

रवि शंकर धाकड़ सेलहाउस यूनिट 2 में एक बहुत ही सुरक्षा के प्रति सजग व्यक्ति हैं। वह भीलवाड़ा के रहने वाले हैं और एसएस एंड कंपनी में काम करते हैं। वह अच्छी तरह जानते हैं कि वह अपने परिवार के लिए कितना महत्वपूर्ण हैं, खासकर अपनी बेटी और बेटे के लिए। उनका मानना है कि सुरक्षा को एक धर्म के रूप में अपनाया जाना चाहिए और दैनिक जीवन में एक आदत के रूप में बनाए रखा जाना चाहिए। सेलहाउस और मेल्टिंग कास्टिंग के कन्वेयर सुरक्षा स्विच स्थापित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह हमेशा एक समर्पित और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहे हैं और अपने प्रयासों के लिए पहले भी सम्मानित किये जा चुके हैं। उन्होंने हाल ही में भट्टी से धातु के रिसाव का पता लगाया। भट्टी को इस वजह से उच्च क्षमता तक नहीं ले जाया जा सकता है। उन्होंने सभी छितरी हुई धातुओं को साफ किया। भट्टी ने उसके बाद पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर दिया। रवि के इस प्रयास से न केवल कास्टिंग लाइन की उत्पादकता और विश्वसनीयता बढ़ी, बल्कि रखरखाव की लागत को कम करने में भी मदद मिली।



तुलसी राम शर्मा
सी.एस.सी. हाइड्रो

तुलसी राम शर्मा—एसएस एण्ड कंपनी के कर्मचारी लीचिंग प्लांट में 4 साल से कार्यरत हैं। तुलसी राम ने सुरक्षा संस्कृति को अपनाकर सभी सुरक्षा कार्डिनल नियमों का पालन करता है। तुलसी राम को लीचिंग प्लांट में सीमित जगह पर कार्य करने के लिए सुरक्षा अटेंडर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई। तुलसी राम ने पूरी सतर्कता के साथ जिम्मेदारी से कार्य का निर्वहन कर रहा है। तुलसी राम ने अपने कार्य को कभी भी बोझ नहीं समझता। तुलसी राम सदैव हंसमुख रहकर काम करना पंसद करता है। कार्य के दौरान रिस्क एवं खतरों के लिए गठित निगरानी टीम को घटना रहित कार्य सम्पन्न हो सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव देता है। तुलसी राम हमेशा अपने साथियों को पीपीई उपयोग के महत्व के लिए प्रोत्साहित करता है। तुलसी राम फरवरी 2016 में सीएन 22 थिकनर को साफ करने के लिए एक कार्य दल का सदस्य भी रहा है। यह काम तुलसी राम की टीम के लिए उत्साहजनक कार्य था। टीम ने मैदान पर गंदे पानी को बिना थिकनर साफ करने का निर्णय लिया है। योजनानुसार तुलसी राम की टीम ने निर्धारित समय 7 दिनों में कार्य को पूरा किया। तुलसी राम ने अपनी टीम के साथ कार्य के दौरान संभावित जोखिमों का मूल्यांकन किया जिससे टीम किसी भी घटना के हुए बिना कार्य को निर्धारित समय पर पूरा किया जा सकता है।



नन्द किशोर गुर्जर
चन्देरिया लेड-ज़िंक स्मेल्टर

नन्द किशोर गुर्जर, चन्देरिया लेड-ज़िंक स्मेल्टर में पिछले 3 वर्षों से कार्यरत हैं। नन्द किशोर ने हिन्दुस्तान जिंक में कार्य करने से पूर्व भारतीय थल सेना में 17 वर्ष तक कार्य किया है। 09 मार्च, 2019 को चन्देरिया लेड-ज़िंक स्मेल्टर के पार्किंग क्षेत्र में एक दुपहिया वाहन में शॉर्ट-सर्किट होने के कारण आग लग गई थी ऐसी स्थिति में इन्होंने सम्भावित खतरे को देखते हुए नियन्त्रण कक्ष में अविलम्ब सूचना दी और साथ ही साथ वहाँ पर मौजूद अग्नि-शामक यन्त्र की सहायता से आग को नियन्त्रित करने का हर सम्भव प्रयास किया। इस दौरान QRT तथा अग्नि-शामक दल ने मौके पर पहुँच कर सम्बन्धित वाहन को अलग क्षेत्र में ले जाकर पूरी तरह से आग को नियन्त्रित किया जिससे होने वाली एक बड़ी दुर्घटना को नियन्त्रित किया जा सका।

नन्द किशोर गुर्जर का मूल मन्त्र है 'सतर्क रहें-सुरक्षित रहें'



सुनील कुमार कुरील
मै. एस.एस. कं., लीचिंग 1

सुनील कुरील 5 साल से मेसर्स एसएस कंपनी के एरिया इंचार्ज के रूप में काम कर रहे हैं। वह कानपुर से हैं और एक बेटे और दो बेटियों के साथ धन्य हैं।

सुनील हमेशा कार्यस्थल पर सुरक्षा के बारे में सोचते हैं और सहकर्मियों को सुरक्षित कार्य का पालन करने में मदद करते हैं। उन्होंने कार्यस्थल पर लोगों को सुरक्षित कार्य करने हेतु काफी काम किया है। उन्हें अधिक से अधिक संख्या में नियर-मिस रिपोर्टिंग से सम्मानित किया गया। वह अपनी टीम को नियर-मिस की रिपोर्टिंग के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं और उनकी टीम ने पिछले 4 महीनों से अधिकतम संख्या में नियर-मिस रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित किया है।

उन्होंने कन्वेयर एरिया में कन्वेयर की उपलब्धता बढ़ने के लिए काफी काइजेन किये हैं। उनके चलते कन्वेयर की उपलब्धता 50 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत तक हो गयी है।



अरविंद कुमार भारती
चन्देरिया लेड-ज़िंक स्मेल्टर

चंदेरिया लेड-ज़िंक स्मेल्टर के बिज़नेस पार्टनर कर्मचारियों में से एक - अरविंद कुमार भारती हाईवे पर बाइक चलाते समय हुई दुर्घटना में क्रेश हेलमेट के उपयोग से बड़ी जानलेवा चोट से बच गये।

SBU Director's Connect - 2nd Dimension Joy of Sharing at RDC

Rajpura Dariba Complex team has initiated a new engagement program SBU Director's connect - 2nd Dimension in Quarter 4. The program is an informal session allowing 2-way communication between employees and SBU Director beyond office dimension. The program is designed around a special theme. First edition on theme - Joy of Sharing was celebrated on 17th January 2019 at RDC Club House.



Rewards and Recognition for Maintenance Service Provider/OEMs at the HEMM was organized at Rampura Agucha Mine on 26th February 2019.

1. Rolling Trophy was awarded to following OEMs as the winner of January Month

- A. Best OEM (Performance): M/s Normet
- B. Best OEM (Safety, 5-S, AO): M/s GCPL (Gainwell)

2. 15 winners (5 engineers & 10 technicians) from OEMs were also rewarded in this ceremony.



Business Partner Meet at RAM

Best Performer in KPI & Performance

First prize – M/s Sandvik - Mr. Anil Sharma, Mr. Dharmasis Das and Mr. Priyank Gupta - M/s Sandvik Team received the award from Mr. Navin Jaju - SBU Finance Head.

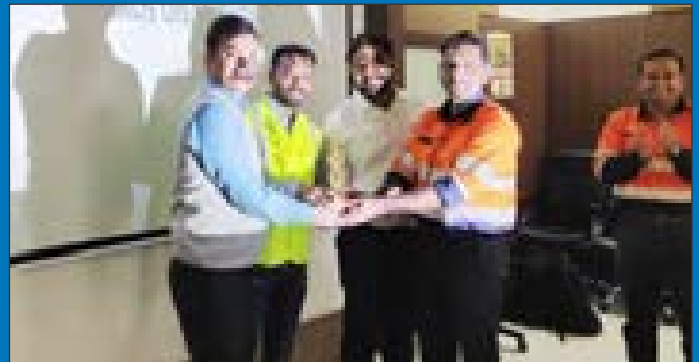
Second prize – M/s Normet - Mr. Rahul Nayak and Mr. Oline Choudhary - M/s Normet Team received the award from Mr. Mahitosh Kumar Deo - Security Head, HZL.



Best Performer in Digitalization PPT

First prize – M/s Gainwell - Mr. Manish Gupta and Mr. Sanjay Patel - M/s GCPL Team received award from Mr. S.S. Gehlot - Head, CTIO.

Second prize – M/s Epiroc - Mr. Devdutta Ghosh and Mr. Dipankar Barik - M/s Epiroc Team received award from Mr. Nirmalendu Kumar - Head, Planning.





On 27th December 2018, CSO Open House was organized in CISF colony, Chanderiya to reinforce the organization's culture and values among security work force. This also gives them opportunity to share their ideas, opinions & feedback and the platform where their performance got recognized & rewarded. In this event, total 10 Security personnel were awarded for their outstanding performance in delivering their duties.



Zawar CPP received best Kaizen Award in Safety Innovation at Utkrish Kaizen Convention – 2018 competition across HZL at Head Office, Udaipur.



Demonstration and Exhibition by M/s Karam for Height Safety/Rescue Operation at CSC.

Coffee with Smelter Head - Shabaash is a monthly engagement initiative for third party employees at Dariba Smelting Complex, where DSC Head and other members of the Leadership team meet with employees from business partners and recognize & reward them for performing extraordinary, especially in Safety.

In order to promote Zero Harm and Zero Discharge culture during National Safety week Celebration, Competition of Model and Nukkad Natak were carried out at Head Office, Udaipur and teams from all the Zones of HZL participated.

Dariba Safety Model bagged first position in model competition and well appreciated by CEO-HZL, Director-Operations and other Sr. Leaders. This was a joint effort by team comprising of HZL employees and third party employees.

It emphasized on VDSS Safety Compliance improvement in Bikes by interlocking with Helmet.



Hindustan Zinc flags off Machines to Dargah Committee under Swacch Iconic Places initiative...



11 Machines to aid in Cleaning Ajmer Dargah

Dargah Ajmer Sharif is amongst the most sacred and visited pilgrimage sites in India and the world. It was the abode of the Sufi saint Khwaja Moinuddin Chishti between 1192 and 1236 AD. It is believed that a person gets all his or her wishes fulfilled, when prays with a pure heart at the Ajmer Sharif Dargah.

Hindustan Zinc - Rajasthan is biggest corporate and India's only Zinc-Lead-Silver producing company has joined hands with Government of India, to convert Dargah Ajmer Sharif into Swacch Iconic Places (SIP). Hindustan Zinc is executing the Project in 3 phases and in 1st phase, the company will be investing Rs 5.68 crores that covers the establishment of two flower compost making machines, cleaning and basic repair of the Jhalra, re-flooring in select areas including laying underground pipes for electrical and water supply, procurement of machines for cleaning the floors, risk management system plan, providing drawings for

conservation of Nizam Gate and undertaking conservation of Shahjahani Gate.

Taking this initiative forward, Hindustan Zinc has handed over 11 advance and deep cleaning machines to Dargah committee on 17th March 2019. These machines have been selected to perform different forms of cleaning job and every machine has unique specification for dry and wet surface. There are also vacuum cleaners, high pressure washer, ride on scrubber drier and carpet cleaning machine. This initiative is an important step towards marinating high quality cleaning and hygiene that will led to higher level of sanitation and facility management at Holy Shrine-Ajmer Dargah Sharif.

The Company has already placed the order of 6 more machines that will be from Germany and are expected to reach Dargah by end of March 2019.

Speaking on the initiative, Mr. Sunil Duggal – CEO, HZL said, “Hindustan Zinc is proud to be associated with such initiative and as a company we



have always been in fore-front for the greater good of the society.”

During the event, Mr. Balwant Singh Rathore – Unit Head Kayad Mine, spoke about the various CSR activities undertaken in Kayad area. Also present on the occasion were Secretary and Asst. Secretary of Anjuman Committee and Dargah Nazeem - Mr. I.B. Parijada. The inauguration was also attended by villagers and officials of Hindustan Zinc.

Vedanta sets up **500th** Nand Ghar; Reaches out to over
17,000 children

Vedanta Group, diversified Natural Resources Company, inaugurated the 500th Nand Ghar at Chaksu Block in Jaipur on 28th March, 2019 and has reached out to more than 17,000 children and 15,000 women, through this programme, aimed to lead the way for early childhood development in Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

Vedanta has planned an outlay of Rs 800 crore for setting up 4,000 nand ghars across India over next few years.

In line with Hon'ble Prime Minister's vision of Beti Bachao, Beti Padhao, National Nutrition Mission, Swachh Bharat, Women



Skill Development, Digital Literacy and Improving Maternal and Child Health, this initiative intends to create a “Model Anganwadi”, not only in terms of infrastructure or services, but also how the community interacts and engages with this critical resource on-ground.

Speaking on the occasion, **Anil Agarwal**, Founder and Chairman, Vedanta Group, said, **“We strongly believe that a nation can only progress by investing in the future of women and children. In line with this**



ideology, Vedanta Group in collaboration with the Ministry of Women and Child Development, Government of India is creating 4,000 Nand Ghars across 11 states, which would eventually lead to the transformation of 14 lakh Anganwadis, thus impacting 8.5 Crore children and 2 Crore women.”

He further added, **“Our primary focus is to start at the grass root level with the holistic development of children and women, who form the future of our nation. The project addresses issues relating to pre-primary education, health care, nutrition for children, and economic empowerment for women in rural India”.**

Paving way for a better India, the Nand Ghar program aims to further impact 4 lakh community members, every year, by making use of Nand Ghars as community resource centers. Through these 500 Nand Ghars, Vedanta is committed to ensuring a better future for children and women. The Nand Ghars are equipped with a bright, colorful classroom, a safe playground, e-learning, provision for nutritious meals, solar panels and mobile healthcare vans to ensure welfare and progress to not just the children and women but the community too. They are also equipped with clean toilets to ensure safe sanitation and inculcation of good hygiene practices from an early age.

The core services provided at Nand Ghars are early childhood education and nutritious meals for children, skill development training for women and primary healthcare through mobile health vans for the entire community. In addition to this, nutritious meals are provided to over 11,000 children every day. Aside, over 15,000 community members are benefitted by the more than 20 health services provided through mobile health vans. In the latter part of the day, Nand Ghar is utilized as a center of skill development for women of the community. They are trained to develop business acumen along with learning trades for income generation. More than 8,000 women have been covered through the program, leading to an average incremental income of INR 3,510 per month. They are also provided with micro credit for starting their own business.

In a short span of 2 years, the program, in line with Mr. Agarwal's pledge to give back 75% of his wealth to the society, has showcased its commitment towards the women and children of India by constructing 500 Nand Ghars across Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

The Nand Ghar initiative not only aims to create a demonstration of an integrated service delivery model, which addresses some of the core challenges of government's flagship Integrated Child Development Services program (ICDS), but also tries to showcase this at a large scale and geographic diversity.





CSR

Mrs. Neelima Khetan

Head - CSR

Corporate Social Responsibility, or CSR, as it is now commonly called, is not something new. While the law may have been enacted in 2013, but the idea of companies contributing to larger societal good is not a new one. However, the legal enactment has meant that there are now many more companies which are doing CSR. Not only that, CSR conversations have now become an integral part of board-room discussions. All this is a very welcome move.

Here are some interesting facts¹ from the CSR landscape for the year 2017-18:

- In FY18, there were 359 companies which had a prescribed CSR spend of Rs 1 crore or above.
- Total prescribed CSR fund for FY18 was INR 9543.51 cr, of which the actual amount spent was INR 8875.93 cr (93% of total prescribed).
- The Top-3 spenders were – Reliance Industries Ltd (INR 745 cr), ONGC Ltd (INR 503 cr) and Tata Consultancy Services Ltd (INR 400 cr).
- In terms of sectors, Petrochemicals and Oil is the highest spender (INR 2092 cr), followed by Banking & Finance (INR 1686 cr) and Computer Software/IT (INR 1213cr). Metals and Mining comes at the fourth place with INR 747 cr of CSR spend in FY18.
- The three thematic areas most preferred under CSR were – Education and Skill Development (INR 3121 cr), Poverty Alleviation, Health & WASH (INR 2385 cr) and Rural Development (INR 1004 cr).

- And 58% of all CSR projects were implemented in partnership mode with implementing agencies.

However, good CSR is about much more than money. It is about robust design/impact orientation, empowered teams & partnerships, strong governance, company-wide ownership and a long-term commitment. But above all else, good CSR is all about building strong relationships with the community.

CSR must not become a fire fighting exercise, nor must it be considered as a means of appeasement. CSR can become a game changer for a company, if it is able to nurture strong bonds of trust-based relationships between a company and communities that are settled in the periphery of its operations. The company must become part of the community.

And becoming a part of the community is not any rocket science. It is all about transparency, mutual respect, regular dialogue and being there for each other. It is also important to ensure that a company's access to a community is not controlled by a few. Reaching out to all, using a saturation model, making sure that everyone experiences a sense of being heard and a company's ability to be able to earnestly respond to genuine concerns raised by community members – can harness unprecedented support for a company from community members.

These measures usually do not require additional resources. Just ensuring that the CSR investments are being effectively deployed to address the actual felt needs of a community is usually enough to generate such trust-based relationships. Being able to go beyond narrow expectations of community members and opening up new possibilities that they had not even conceived as possible; creating opportunities that give people a real sense of hope – can transform how communities perceive a company.

At HZL, we have been adopting many of these approaches and getting positive results. We want the communities to see us in a different light, so we have begun to see the communities in a different light; as neighbours whose growth stories are intricately connected to our own sustainable growth. However, this is an effort that needs each one of us (whether in CSR or in other departments) to join hands and contribute. While that culture is indeed a part of our DNA, but we need to make it stronger and more visible.

“The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others.” – M K Gandhi

1 - India CSR Outlook Report 2018

“Never doubt that a small group of thoughtful, committed citizens can change the world; indeed, it's the only thing that ever has...”

– Margaret Mead



“Patriotism needs it, humanity dictates it, and every possible consideration that you can have will enforce the carrying out of the Swadeshi Movement in the most earnest spirit, not only now but for a long time to come.... Help the Swadeshi cause so that you may enable the poor people of all parts of India to find food and clothing for themselves.”

- Pandit Madan Mohan Malaviya, Mahamana - Devata Purush Indian Educationist



Sunil Duggal, CEO, Hindustan Zinc, has a personal and corporate vision for his company. His personal goals include mining with maximized productivity, and zero harm through the use of technology. At one of the mines, the aim is to develop end-to-end solution for complete automation. At a corporate level, he wishes to take the company to a sustainable 1.5 mt metal and 1,000 mt silver in the near future. The country has to become self-reliant in the case of major minerals and metals through a quantum jump in the mining contribution to overall GDP, growth, and development. In terms of CSR, he hopes to create a better future for children. The corporate philosophy and vision is in sync with modern slavery acts with the fundamental belief that all people everywhere deserve to live and work in safety and with dignity.



‘Self-reliance in major minerals is our goal’

Published in Outlook Magazine | 18th February, 2019

Can you share the details of the digital mining prototype at Sindesar Khurd?

We have recently partnered with Sandvik to develop an end-to-end solution for complete automation of SK Mine. This includes real-time tracking, fleet management and machine health analytics for quick interventions to maximize productivity and realize our goal of zero harm. This was made possible through a Wi-Fi underground network. We have installed in-motion weigh-bridges (first time in India) to monitor the performance of each mine truck, which has resulted into increased truck fill factor of at least 15% along with automated digitised reporting as well. We are also building a centralized control room at SK mine that integrates more than nine individual control rooms involving our mines, crushers, mills and paste-fill plants.

Nand Ghar is a prominent CSR activity. How does the company work with the government and local communities?

Nand Ghar program is an important part of our larger commitment for supporting efforts that help create a better future for children. Infact, in FY 17-18, 36% of our CSR spend was on education, for children spanning 0-18 years. It re-imagines the Anganwadi Centre (AWC) space into state-of-the art centres that are built on sustainable principles. Through the Nand Ghar concept, we are taking the AWC space to a new paradigm.

Our philosophy has always been to make our operations stronger and sustainable through latest state-of-the-art technologies...



Can you flesh out the challenges you faced in the transition from open cast mining to fully underground mining?

The biggest challenge for us was to sustain the supplies to our customers and maintain the production volumes despite the exhaustion of open cast mine. Open cast mine provided for a major share of our volumes and its absence implied that the underground mines had to be ramped up rapidly. We had to provide conducive mining conditions in terms of adequate ventilation, putting strong de-watering system, better haul road conditions and introduction of advanced mining equipment.

Your operational philosophy is 1.2 million tonnes by 2020. How will you achieve this objective?

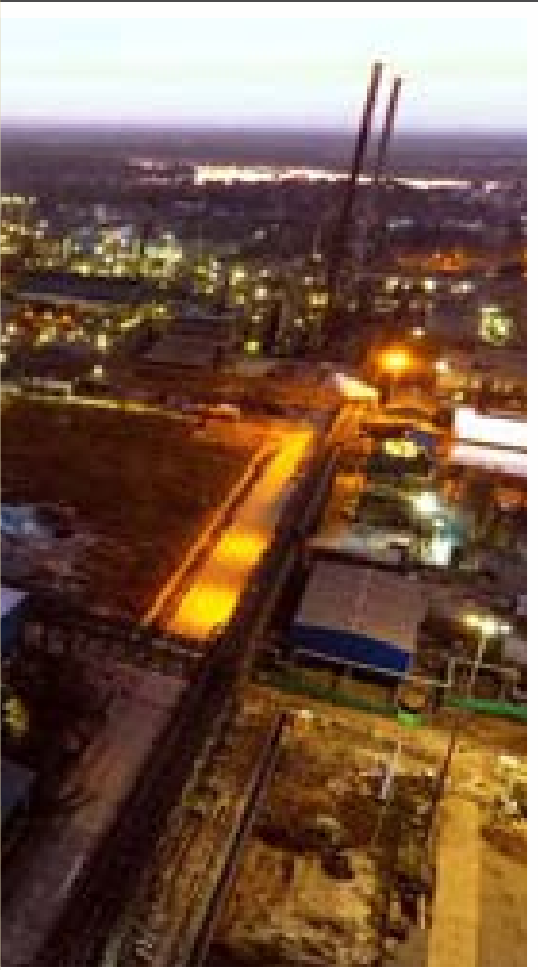
Our philosophy has always been to make our operations stronger and sustainable through latest state-of-the-art technologies and digitalisation. We have progressively chased higher targets and this target is another testimony to our vision for continuous growth. We are commissioning shafts at the Sindesar Khurd and Rampura Agucha mines, mills are being set up at Rajpura Dariba and Zawar mines.

HZL has transformed the sewage in Udaipur? What were the reasons and how did it happen?

Caring for our communities has been at the heart of our every decision. Udaipur is one of the top tourism attractions of India. This city has five major lakes. At the same time, the city generates around 80 million litres of sewage per day. We identified the absence of waste water treatment infrastructure as a major threat to the lakes and to the sustenance of the city, and decided to install sewage treatment plants. Currently these STPs treat over 55% of the city's sewage. Waste water previously disposed into the lakes is now collected and the treated effluents are used for industrial production.

HZL achieved a ranking of No. 1 globally in environment in metals and mining in the Dow Jones Sustainability Index 2018. What steps did you take in this direction?

We are firmly focused on reducing our environmental footprint. We have taken concrete initiatives such as reducing



water footprint, cutting GHG emissions through energy and climate change management, increasing use of green energy in the total energy mix, maintaining air quality, preventing environmental pollution by reducing waste, and conserving or rejuvenating the bio-diversity near our operations. Our renewable energy portfolio stands at 324 MW which provides reduction of over 730,000 tonnes of carbon dioxide per year and we plan to increase it further.

What were your initiatives to become environment friendly? Can you give details of the specific projects?

We follow zero-discharge at all our operating locations, we have reduced fresh water requirement by setting up sewage treatment plants, rain water harvesting and have deployed a robust system to undertake and monitor our water conservation initiatives. We have invested in 273 MW wind power plants spanning across five different states and increased our focus on solar power in past two years. We have set up 38 MW of solar power plants at our locations utilising some of waste lands within our locations. Another 40MW will get commissioned in this year. We are also evaluating an innovative floating solar power plant.

HZL is compliant with the UK Slavery Act to tackle modern slavery. What did the company do to achieve this aim?

Millions of people are living in bondage globally. They labour in fields and factories under inhumane employers. It is our fundamental belief that all people everywhere deserve to live and work in safety and with dignity. All our businesses are compliant with applicable regulations, strive to uphold all labour rights and are aligned with national and international regulations.

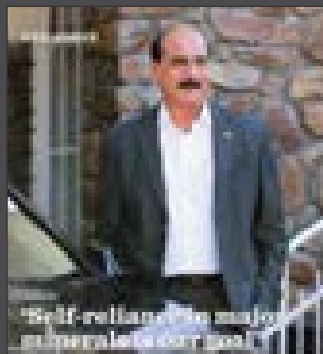
What are future challenges for Indian mining in terms of policy, operations and technology?

The growth in mining in the recent years is either negative or marginal and it does not attract much investment. Further, the recent amendments in the laws have not yielded results as expected for mining sector. We need to simplify the mining policies and introduce latest technologies so that extraction can be done at mass level and cheaper.

Your vision for the company and sector?

To take the company to a sustainable 1.5 mt metal and 1000 mt silver in the near future and to make India self-reliant in case of major mineral and metals through a quantum jump in the mining contribution to overall GDP.

We need to simplify the mining policies and introduce latest technologies so that extraction can be done at mass level and cheaper...





Smt. Maneka Sanjay Gandhi confers National Awards to Anganwadi Workers for Exceptional Achievements under ICDS Scheme

Hon'ble Union Minister for Women & Child Development - Smt. Maneka Sanjay Gandhi has conferred two anganwadi workers - Ms. Rukmani Bhoi from Tilakheda Nand Ghar, Udaipur and Ms. Vimla Kunwar from Nayakheda Khushi Anganwadi Centre with 'National Awards for Exceptional Achievements for the Year 2017-18' on 7th January 2019 in New Delhi.

This award has been presented to 97 Anganwadi Workers (AWWs) for Exceptional Achievements in year 2017-18 in the presence of Minister of State for Ministry of Women & Child Development - Dr. Virendra Kumar and Secretary, Ministry of Women & Child Development - Mr. Rakesh Srivastava. This annual award is given to motivate the Anganwadi Workers and to recognize their exemplary service in the field of child development and related areas under the ICDS Scheme. The Award at the National Level comprises of a cash prize of Rs. 50,000 & a citation and state Level award comprises of a cash prize of Rs. 10,000 & a citation.

As per guidelines, National Level Awards for AWWs are given to the awardees nominated by States / UTs out of the State / UT Level awardees. The number of nominations of AWWs at National Level depends on the size of the State / UT and operational ICDS Projects.

The nominations received from the States/UTs were screened and recommended by a Screening Committee headed by Secretary, MWCD. The awardees were selected by the Selection Committee headed by Hon'ble Minister for Women & Child Development.

Hindustan Zinc receives Golden Peacock Award

Hindustan Zinc has received the Golden Peacock Award on Corporate Social Responsibility by the Institute of Directors for its community development programs. The award was presented on 18th January 2019 at Mumbai during their 13th International Conference. The award was presented by Mr. Prakash Mehta - State Cabinet Minister for Housing Department, Maharashtra, Mr. Vijay Karla - CMD, Ravin Industries, Lt. J.S. Ahluwalia - President-IOD, Mr. Praveen Pardeshi - IAS (Additional Chief Secretary to Maharashtra Chief Minister) and Mrs. Rajshree Birla - Chairperson, CIRD Aditya Birla Group. Hindustan Zinc has emerged as the winner in Mining & Metal Sector amongst 338 companies who submitted their applications for the Award.



On behalf of Hindustan Zinc, the award was received by Mr. Buddhi Prakash Pushkarna and Ms. Rupal Bhargava.

Hindustan Zinc receives Transformance Procurement Leadership Awards 2019

Hindustan Zinc participated in 'Future of Procurement – Summit and Awards 2019', conceptualized and curated by Transformance Business Media at The St. Regis, Mumbai on 20th February 2019. The event was based on the theme – Accelerating Procurement Transformation and Growth. Companies like Siemens, Reliance, Blue Dart, Essar Steel, Kellogg India, Sun Petro Chemical, etc. participated in the event. Hindustan Zinc has won awards in the following categories:

- Procurement Team of the Year Award – Sandvik VMI Implementation at SKM, HZL
- Procurement Leader Award – Mr. Sunil Dixit for Normet CPH
- Procurement Excellence Award – SAP-Ariba Implementation at HZL

On behalf of Hindustan Zinc, the awards were received by Mr. Sunil Dixit, Mr. Anshuman Srivastava and Mr. Ashish Agarwal – Commercial Team.



Hindustan Zinc adjudged as 'Significant Achievement in HR Excellence'

Hindustan Zinc has been adjudged as 'Significant Achievement in HR Excellence' for its HR practices during 9th CII-HR Excellence Award for the year 2018-19.

The CII – HR Excellence Award is held every year to promote HR Excellence practices amongst organizations and help them to achieve World Class benchmarks across their HR processes and thus helping in developing 'High Performance Organizations'. HR Excellence Award, apart from being a forum for recognizing Best Practices in HR, also provides a tool for Self-Assessment by measuring the current status and identifying the gaps and catalyze far reaching solutions for moving ahead in the HR Excellence Journey.



Hindustan Zinc receives Best Award for Risk Management-Sustainability

Hindustan Zinc received Best Risk Management Framework & Systems – Sustainability, CNBC TV18-India Risk Management Award in a glittering ceremony held in Mumbai on 7th February 2019.

The award was presented by Mr. Kenneth Rogoff - Professor of Public Policy and Economics at Harvard University. On behalf of HZL, Mr. Laxman Shekhawat and Mr. Rohit Sarda received the Award.



ICICI Lombard and CNBC-TV18 presents the India Risk Management Awards for those who understand and take steps to ensure that the risks are mitigated to the least possible denomination. In its 5th year, the Risk Management Awards recognize those individuals, organizations and teams that have significantly added to the understanding and practice of Risk Management. The jury led by Ms. Arundhati Bhattacharya selected Hindustan Zinc as the winner in the category.

Hindustan Zinc receives Dainik Jagaran CSR Award 2019



Hindustan Zinc has received Dainik Jagaran CSR Award 2019 for its Women Empowerment Program 'Sakhi' on 27th February 2019 in a ceremony held at Delhi. The award was presented by Mr. Manoj Sinha - Hon'ble Minister of Communications and Minister of State, Railways, Government of India.

Dainik Jagran Award focuses on nation building around the core 7 Sarokars across health, education, livelihood,

skills, women empowerment, water and environment conservation.

On behalf of Hindustan Zinc, the award was received by Ms. Aruna Cheeta and Mr. Vishal Agarwal from CSR team.

'Sakhi' Program has been contributing to women's socio-economic well-being and is focusing on promoting savings as a habit. The project is directly touching the lives of more than 20,000 women.

CSC receives Fly Ash Utilization Award 2019

Chanderiya Captive Power Plant received 1st Prize in Fly Ash Utilization Award 2019 by Mission Energy Foundation under category 'Efficient Management of Fly Ash – CPP'.

Vedanta receives CSR Leadership Awards



Hindustan Zinc has been awarded the 'Hall of Fame' for its exemplary community development initiatives at the ET Now CSR Leadership Awards held on 18th February 2019 in Mumbai. They also recognized the Vedanta Group CSR Head - Ms. Neelima Khetan as one of the 100 Most Impactful CSR Leaders globally.

Hindustan Zinc also received the Best CSR Practices Award for the Rajpura Dariba Complex, while the CSR Leadership Award for Sports Development went to Vedanta Limited for Vedanta Sports, and the Best CSR Initiatives Award was swept by Project Nand Ghar.

Hindustan Zinc receives Project Development Innovation of the Year Award

Hindustan Zinc received the Project Development Innovation of the Year Award at the 9th Annual Edition of RE-ASSETS INDIA 2019 Conference-Expo-Award for 22 MW Agucha Solar Project in a glittering function held in Delhi on 7th February 2019. The award was presented by Mr. Sohail Akhtar - Advisor of Ministry of New and Renewable Energy and Mr. O.P. Taneja - Associate Director of Indian Wind Turbine Manufacturers Association.

This project has been installed on the Waste Dump Yard at Agucha which cannot be used either for plantation or for any major structure as its load bearing capacity and height of waste dump does not permit the same. Hindustan Zinc took this challenge along with partner M/s Mahindra Sustain and proposed an innovative design to utilize the Waste Dump Yard area for the special cause to save



environment by installing successfully a 22 MW massive power plant with zero emissions. This included various level of in-depth engineering expertise in the field of civil engineering coupled with solar technical expertise. This project activity will also help to reduce the carbon emission reduction of 45,000 tCO₂e per annum.

Rajasthan Government recognizes Hindustan Zinc as Best Organization working for Persons with Disabilities

Hindustan Zinc has been awarded as the Best Organization Working for Persons with Disabilities by Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of Rajasthan. The award was conferred by Mr. Bhanwar Meghwal - Cabinet Minister of Social Justice & Empowerment, GoR and Mr. Akhil Arora - Principal Secretary, Social Justice & Empowerment, GoR at a glittering ceremony held in Jaipur on 25th February 2019. On behalf of Hindustan Zinc, the award was received by Ms. Princy Sen from CSR team accompanied with Mr. Amritanshu Sharma from Corporate Affairs team. Jeevan Tarang Zinc Ke Sang initiative is attempting (along with partner organizations) to create a more equal world for all and focusing on improving the education systems for 800+ people with disabilities through technology, capacity building and sensitization interventions.



Hindustan Zinc featured in Sustainability Year Book 2019



Hindustan Zinc has been recognized as a member in The Sustainability Yearbook 2019 for second consecutive year, an annual publication that showcases the sustainability performance of the world's largest companies and includes the top 15% of companies in each industry.

The Yearbook is published by RobecoSAM, an investment specialist that has focused exclusively on sustainability investing for more than 20 years. This year, RobecoSAM analyzed the corporate sustainability performance of companies across 60 Industries; 458 companies qualified for

inclusion on Sustainability Year Book 2019.

Hindustan Zinc is the only Indian Mining and Metal company recognized as Member in Year Book 2019 along with eight other sector companies Mahindra, Ambuja Cement, Mahindra Financial Services, Wipro, Tech Mahindra, Infosys, Tata Consultancy & Tata Steel.

Across 78 Metal and Mining companies, Hindustan Zinc is one of only eleven companies across the universe to make it this year.



शून्य दुर्घटना - शून्य क्षति के लक्ष्य के साथ
हिन्दुस्तान जिंक में
48वाँ सुरक्षा सप्ताह सम्पन्न



“हिन्दुस्तान जिंक शून्य दुर्घटना और शून्य क्षति के लक्ष्य को सुनिश्चित करें एवं हमारा प्रत्येक कर्मचारी सुरक्षा का ब्राण्ड एंबेसेडर हो” यह बात हिन्दुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनील दुग्गल ने हिन्दुस्तान जिंक के यशद भवन ऑडिटोरियम में आयोजित 48वें सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में कही।

4 से 10 मार्च 2019 तक नुककड़ नाटक प्रतियोगिता में हिन्दुस्तान जिंक ईकाईयों के पांच जोन द्वारा नियर-मिस की महत्वता और मेरी सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी, सुरक्षित कार्यप्रणाली, जीवन रक्षक नियम, सुरक्षित वाहन संचालन से सुरक्षा जागरूकता का संदेश दिया। श्रेष्ठ नुककड़ नाटक का पुरस्कार रामपुरा आगूचा की टीम ने जीता। बेस्ट सेपटी मॉडल इंटरलॉकिंग हैलमेट वीथ बाईक, दरीबा को दिया गया।



समापन समारोह में अतिथियों ने सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं पोस्टर प्रतियोगिता, सुरक्षा नारा प्रतियोगिता, क्वीज, रंगोली, सेपटी विडियो, सुरक्षा एंबेसेडर के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में हिन्दुस्तान जिंक के डायरेक्टर ऑपरेशन्स श्री लक्ष्मण सिंह शेखावत ने हिन्दुस्तान जिंक के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सजगता हेतु बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति घर और कार्यस्थल पर सुरक्षा के सिद्धान्तों का अनुसरण अवश्य करें। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को मिलकर सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाना है जिससे सभी जागरूक हों और सुरक्षा का वातावरण हमेशा बना रहे। कार्यक्रम में श्री अमिताभ गुप्ता, श्रीमती नीलिमा खेतान, सुश्री कविता सिंह, श्री स्कॉट कैथनेस, श्री शरद गर्गिया, श्री राजेन्द्र सिंह आहुजा, श्री राजेन्द्र पण्डवाल, श्री महेश तोडकर, श्री वीपी जोशी सहित हिन्दुस्तान जिंक के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती हंसा व्यास ने किया।

Shabaash at RDC

Shabaash is a platform where Rajpura Dariba Complex team recognizes and reward employees of Business Partners for their outstanding performance in terms of safety or for going an extra mile beyond their area of work and making us proud. Nominations are invited from Departmental Heads/Plant Heads. The nominated employees are then invited to meet and interact with Senior Leaders over a cup of coffee and are rewarded, as a token of appreciation for their work.

This month 39 nominations were received. The ceremony was chaired by Mr. Ananta Ghui - Head DSC Lead, Mr. Anil Gadiya - Smelter HR Head and Mr. Pankaj Kumar -

Manager, Mechanical, DSC Lead.

The winning members were congratulated for their contributions, which were discussed elaborately so that all the employees could know each other's contributions and that they could try and benefit from one another's work. The concept of Zero Harm was discussed and the importance of ensuring safety in all activities we do, was re-emphasized.

The celebration concluded with distribution of Appreciation Certificates and Rewards as tokens of respect and admiration.

30th Road Safety Week Celebration at Hindustan Zinc



Hindustan Zinc celebrated 30th Road Safety Week from 4th - 10th February 2019 with the theme Sadak Suraksha - Jeevan Raksha at all its business locations. The event saw participation from senior management, employees & their families and communities residing around business locations.

During the week, various activities like roko - toko abhiyan, road safety rally, road safety awareness sessions at schools & for community, nukkad natak, online quiz, defensive driving sessions for employees and drivers,



blood donation camp, mobile road safety van display, reflector jacket distribution to drivers, poster, slogan, rangoli making competitions, to name a few were conducted during the week.

Road Safety Week is being celebrated to create awareness on road safety and to promote the road safety measures in the community, schools & workplace in order to prevent road accidents, accidental deaths and injury cases by creating awareness about speed limit of the vehicles.

“For a long time now, I have believed that industry & agriculture are natural partners & that they should begin to recognize & practice their partnership. Each of them is suffering from ailments which the other can cure. Agriculture needs a wider & steadier market; industrial workers need more steadier jobs. Can each be made to supply what the other needs? I think so. The link between is Chemistry.”

- Henry Ford, The Business Magnate, Automobile Pioneer

”



Mirror Gallery Walk and Safety Workshop at HZL



DuPont in partnership with Hindustan Zinc conducted Dip Stick Assessment of Organization Safety Management System to identify the systemic reasons and root causes of organization behavior, unacceptable safety performance and dashboard. Mirror Gallery Walk through workshop was the way of reflecting the existing culture deficiencies, focus areas and lack of implementation of various safety initiatives. It was followed by Safety workshop involving key players of Aarohan journey for further driving actionable pointers from Dip Stick and Gallery Workshop.

Legal HSE Audit at HZL

Independent comprehensive Legal HSE Audit was conducted for all Smelters of Hindustan Zinc by experts like DGFASLI with an objective to determine the effectiveness of the plant's safety and loss prevention measures towards ensuring legal compliances under applicable statutes. It also verifies status of legal compliances under the applicable statutes on safety and health. It was conducted to identify the gaps in compliance to the legal requirements on safety & health and implement measures to remove the identified gaps.

Zone HSE Coach Program at HZL

To give more focus to Site Health, Safety & Environment, Compliance and Performance, Hindustan Zinc initiated Zone HSE Coach Program wherein all ExCO members visits the scheduled sites and guiding site team to bring HSE to next level.

Safety Maturity Assessment at HZL

A Dip Stick Assessment of the Aarohan safety excellence journey was conducted across Hindustan Zinc by M/s DuPont to identify the systemic reasons, health of safety culture and root causes resulting into unacceptable safety performance. This will help HZL to identify the next step for continual improvement.

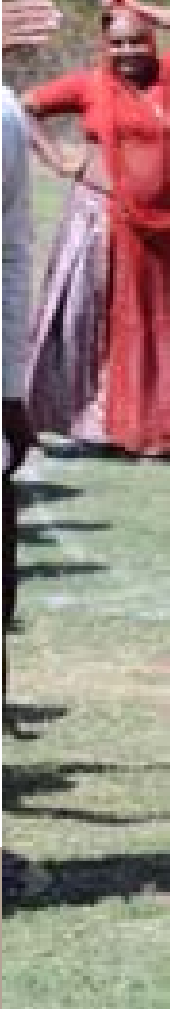
Environment Internal Audit at HZL

For the overall growth, the internal expertise of the company was used and environment audit was conducted across HZL in January & February 2019. Each audit team comprised of 3-4 members. Audit conducted for a day in each unit which included site visit and documentation. The auditors submitted an Audit report to the corporate and environment heads of the respective location based on their site visit and documentation. The units were further asked to provide CAPA based on those observations.

International Women's Day

Sakhi Utsav 2019

“Think Equal, Build Smart, Innovate for Change...”



On the occasion of International Women's Day, more than 8000 Sakhi rural & tribal women came together at Kayad, Chanderiya, Dariba, Pantnagar and Debari to celebrate Sakhi Utsav - 2019 in the 1st & 2nd week of March 2019. These Sakhi women participated in various games like tug of war, matka race, spoon race, kabbadi, football, gola throw, musical chair, bucket & ball game, rangoli competition, etc. followed by cultural events, motivational

Introduction of Fatality & Serious incident Prevention Plan (FSIPP) Subcommittee

Under Aarohan, Hindustan Zinc has five focused work stream Safety Interaction, Contractor Safety Management, Process Safety Management, Incident Management and Standard Rules & Procedure. With an aim to focus more on high risk activities and monitoring their control measures, the company has introduced 6th work stream FSIPP Subcommittee. FSIPP leaders also identified for top 5 high risk areas (FOG, man-machine interaction, electric safety, fire and mine in rush) to have a better monitoring and review of critical controls through FSIPPs.

Second Party Safety Audit at HZL

In addition to HZL's existing frame work of First Party Safety Audit and External Audit, Second Party Audit procedure was developed for inter - location Audit /Evaluation process of Site Safety Management System, Safety Standards and Work Streams.

The trained Auditors from one location auditing another unit at other location under the mentorship of senior leadership. It is independent and systemic assessment or review of effectiveness of various safety programs using defined criteria and protocols. All locations have undergone SPSA during the year and findings were rated into different categories based on level of severity and further tracked for implementation.

Training on ERCP at CSC



Emergency Preparedness training was conducted in February 2019 at CPP, Roaster, Hydro-1, Hydro-2 of Chanderiya Smelting Complex. More than 125 employees and contract workers got benefitted from the training programs. The training covered all aspects of Emergency Preparedness.

Training on Safety in Welding at PMP



Pantnagar Metal Plant conducted Safety in Welding training on 16th January 2019. The employees and contract workers got benefitted from the program.

Bow-tie Software Training at ZSD

The Bow-tie Software training was conducted on 18th & 19th February 2019 in Zinc Smelter Debari by Mr. Krutisunder Mahopatra, an executive from Jharsuguda Plant, Vedanta. There were about 28 participants including professionals from environment, safety and process from all units of Hindustan Zinc. On the first day, participants were taught systematic approach to prepare a risk assessment using Bow-tie software. The participants on the second day were divided into 6 groups and each group made a risk assessment report using Bow-tie.

Safety Chaupal at CSC & RDC

A Suraksha Chaupal on safety theme - Electrical Safety was conducted on 9th January 2019, in KPS - Mechanical Workshop. The objective of the Chaupal was on creating awareness on type of electrical hazard, sharing common case studies related to electrical, safe practices while working with electric equipment and preventive & protective methods from electrical hazards.



Sakhi Chaupal - An event organized by SHG women on 5th February 2019 at Pipawas village where the spirit of women empowerment amongst rural women could be very well seen. They discussed on wider range of social issues & solutions to community problems, that was organized by Rajpura Dariba Complex team. These Chaupals witnessed gathering of more than 70 women who participated and interacted with the village representatives and HZL team and shared their experiences of how by being a part of SHGs, have helped them on their savings.

team and shared their experiences of how by being a part of SHGs, have helped them on their savings.

Risk Management Workshop at Kayad Mine



2 training and 2 mock drills on Crowd Management and Fire Safety were conducted from 31st January – 2nd February 2019 at Dargah under Ajmer Dargah project. Unit Head - Kayad Mine also handed over the disaster management plan to Dargah committee prepared by Hindustan Zinc team.

Training on Environment Legislation at HZL

A training on Environment Legislation was conducted by Dr. B. Sen Gupta - Former Member of MOEF. It was conducted on 26th & 27th February 2019 at Head Office, Udaipur. The training session was attended by 18 employees from all units of HZL which included

environment and safety professionals. Various insights about new rules and amendments were provided during the session. Participants also clarified their queries regarding any laws or amendments.

Mining Mate Competency Assessment at HZL

Hindustan Zinc is implementing a comprehensive Mining Mate Training program - a custom built, conceptualized 3 stage program which includes assessment, training and audit of Mining Mates at Zawar Mines in partnership with a leading Mining Training specialists from Australia.

A skills gap assessment of 300 mining mates was conducted to understand the current knowledge of skills, roles and responsibilities. Based on the skill gaps identified, a custom built training program was developed with strong emphasis on why they do, what they do at the workplace.

In Stage 1, data from the assessment was analyzed for insights on each Mining Mate, ranking them based on their performance during assessment.

In Stage 2, a 15 days training program for 21 selected Mining Mates who will be the Master Trainers was done. The Training modules were designed with a blend of theory and a large focus on practical activities on the surface and UG. The objective is to improve the Mining Mates operational and risk management skills at work and empower HZL's Mining Mates to make informed decisions to improve safety and production parameters.

In Stage 3, these Master Trainers will provide classroom and practical training to train other front line supervisors (mining mates) and assess them. The course covers statutory requirements and safety in mining operations.

Safety and Communication Workshop with NGO Partners at Kayad Mine

On 8th January 2019, Kayad Mine organized Safety and Communication Workshop with all the NGO partners, wherein there were sessions on different kind of safety aspects including road and household safety. 8 NGOs participated along with community stakeholders. On this day, Mr. Balwant Singh Rathore - Unit Head, Kayad Mine interacted and briefed about safety and communication strategy for better results in work. More than 100 participants were present.



Utilization of Waelz Kiln Slag for highway construction at HZL

In order to recover Zinc from Zinc bearing waste (i.e. Pyro-metallurgical process waste) Zinc & Lead vapours are vaporized and non-hazardous solid waste called Waelz Kiln Slag is generated at temp. of 1000 deg.C to 1300 deg.C. Through various studies, it has been established that WK slag can be utilized as sub-grade filling material for various construction activities. It has also been accredited by Indian Road Congress for use in aforesaid purposes. So far WK slag was mainly stored at slag yard with small applications in undulated land filling/

road levelling activity within own premises.

On receiving the details of approval of six lane project of National Highway No. 27 during FY 2017-18 passing along with ZSD plant, the team started exploring the possibility of utilization of WK slag in National Highway. With continuous efforts of engagement and establishing lab testing scale with NH team, finally NH team agreed to use slag for sub-grade filling purpose. Since planning, the NHAH authorities regularly tested the strength and stability of road constructed with slag

and the results were at par. Approx. 29,000 MT of WK slag has been utilized in NH 27 till Dec 18 and the success story is still going on.

Here it is important to mention that in absence of using waste material (WK slag), NHAH might go for utilizing alternate fresh natural resource by cutting of hillocks or excavating soil from nearby vicinity to obtain filling material. Zinc Smelter Debari made its contribution in preserving fresh natural resources & topography of the region.

Theme Drive for avoiding Man Machine Interaction at all mines of HZL

There were few initiatives taken at all mines of Hindustan Zinc to avoid man machine Interaction. The initiatives are pedestrian walkway extension, LED light stick on light motor vehicle, speed breaker to control speed of vehicles, one-way traffic, improved road traffic signages and road marking, prohibition on usage of mobile in unauthorized areas, defensive driving technique and blind spot training and line of fire exhibition with live models.

News Digest..

- ◆ There was repetitive damage of the side mirror during operation of machines in underground. Therefore, metal cover has been fabricated and welded over the side mirror to prevent its damage. This has reduced the damage of side mirrors in the machines.
- ◆ Implementation of Online permit has been done at Chanderiya Smelting Complex Captive Power Plant first across HZL.
- ◆ Installation of Rear Camera in Coal Yard Vehicle to reduce Man – Machine Interface.
- ◆ Chanderiya Captive Power Plant Unit-1 turbine enclosure modification has been done to separate oil & hot circuit which reduces the fire chances in turbine. In-house design has been carried out.

“Now, you might say, 'why should we pay people for doing what they're supposed to do?' It's a fair question - but think of it this way. Every other anti-poverty program that's been tried has failed to get the national poverty rate below 11 percent (USA). Why shouldn't we experiment with a program built around the one strategy that has proven time and again to work wonders - capitalism?”

- Michael Rubens Bloomberg, Founder & CEO Bloomberg, Billionaire Philanthropist



Safety Town Hall at Hindustan Zinc



Safety Town Hall Meeting was organized on 31st January 2019 where in all Units along with Marketing Offices, including Head Office, joined the live interaction.

Mr. Sunil Duggal - CEO, HZL, Mr. Amitabh Gupta - Director Commercial, Mr. Pankaj Kumar - then COO-Smelting, Mr. Laxman Shekhawat - Director Operations and Ms. Kavita Singh - Head HR addressed about 2000 employees and contract workers.

The Town Hall was conducted at Udaipur from the auditorium emphasizing on

safety both on-site & off-site. The Town Hall also saw interactive session wherein several employees from each location asked questions and gave suggestions towards improving safety.

Senior management also launched Safety Calendar covering past 10 years fatalities as Observance Day with important HSE Days. 2 safety videos for learning and creating awareness on Machine Guarding Standard and Excavation Standard were also launched.

National Seminar on Growth Potential of Mineral Resources of Rajasthan & Challenges with the Mineral Sector

National Seminar on Growth Potential of Mineral Resources of Rajasthan & Challenges with the Mineral Sector in the state was organized by Geoscientists' Society of Rajasthan (GSR), at PG Department of Geology, MLS University, Udaipur on 15th & 16th February 2019 to deliberate on growth potential vis a vis challenges faced by the Mineral & Mining Sector due to stringent regulations & lack of time bound approvals. In all, 41 papers were presented on the above theme by delegates from Central & State Government, PSU, private companies & exploration agencies. These significant contribution were later summarized as formal recommendation-document forwarded to policy makers in the central & state government for path corrections in mineral concession system, especially swift granting concession & involving private player in exploration at lease in strategic & import intensive commodity. In the national seminar from Hindustan Zinc, Mr. Scott Caithness - Head Exploration and Mr. S.K. Vashisth - Business Development presented papers on 'New Technologies & innovation in Exploration', 'Characteristics of Kayad Lead-Zinc Deposit, Ajmer and 'Role of 3D modeling in optimizing Exploration' campaign to precisely define ore models aimed at enhanced targeted production with better grade forecasting & control. Mr. Bharat Dave presented a paper on Potential of Base Metals from Southern Swathes of Delhi Supergroup.



Visual Workplace Campaign at RDC

A Visual Workplace Campaign of one month was organized at Dariba Smelting Complex from 1st - 28th February 2019. The objective of the Campaign is to improve the 5S through visual factory and create a workplace that will help to improve productivity and reduce unwanted searching time (non-value added activities).

Creative Thinking Workshop & Finance Training for GETs at RDC

Creative Thinking Workshop was organized at Dariba Smelting Complex on 9th March 2019. The workshop aimed at exploring various methods of bringing creativity in yielding solutions. Participants were introduced to basics of Visualization.

Excel Training was conducted for GETs to upgrade their knowledge in financial details like cost, expenses, balance sheet, P&L, etc. on 19th February 2019 at Rajpura Dariba Complex.

Dream Run 2019 :1000 MT/Day Cathode Production for DSC (Lead & Zinc)

Dream Run is a concept of sustained & significant jump in current performance aided by meticulous planning, strong execution and extensive communication & follow-up in duration of 4 weeks. It activate teams and build confidence by driving visibility of plant's performance within the plant and externally to various stakeholders. During Dream Run, rigorous tracking and monitoring of target KPIs - tracking them every shift, daily discussion of performance and slippages, speedy implementation of all action plans coming out of morning meetings, trackers at sites and showing daily updates on performance of key KPIs were implemented.

News Digest...

- ◆ A training program was organized at Zawar CPP by 'Steag Power Plant Learning Centre' in Quarter 4.
- ◆ Weekly training on various topics frisking & searching, human rights, patrolling, crowd control & mob handling, visitor's management and safety cardinal rules, etc. were conducted at Chanderiya Smelting Complex. Mock-drills on various emergency situations like strike, labor unrest, mob control, terrorist attack, fire, etc. have been conducted at site to check the efficacy level & preparedness of security team.

Turbine enclosure after modification at CSC

Chanderiya Smelting Complex team has installed Variable Frequency Drive in primary air fan, forced draught fan and induced draught fan which results in power saving by 10 Mwh per day. Reverse Osmosis plant has been revamped in Chanderiya CPP to treat blow-down water and treated water is used as Cooling Tower makeup that led to water saving of 350 CuMtr per day. Also, team has commissioned overhead fire line at Chanderiya CPP to increase the reliability of Fire Fighting System.

Conference on Indian Industrial Minerals by FIMI at Udaipur



The Federation of Indian Mineral Industries(FIMI), New Delhi organized a Conference on Indian Industrial Minerals on 18th & 19th February 2019 at Taj Resort, Udaipur. This Conference aimed to bring together Indian Industrial Minerals producers, consumers, technology suppliers as well as many other stakeholders interested in the future of these commodities, to discuss technological developments, legislative issues, research and market trends.

The key dignitaries during the inaugural session of the conference were Mr. Sunil Duggal – CEO, HZL & President FIMI, Mr. B.S. Detha - IAS District Commissioner Udaipur, Mr. J.K. Upadhyay - Director, DMG-Rajasthan and Mr. L.S. Shekhawat - Director Operations, HZL.

Mr. Duggal presented and gave the graphical macro-economic overview of the current state of this sector and outlined the potential this sector can offer to the

GDP besides enormous employment potential, if best practices besides policy support are ensured over the projected future. He concluded by saying that the sector can offer 'Once-in-a-Generation Opportunity for India, with Cause & Effect Analysis'.

Mr. S.K. Vashisth - Business Development, HZL presented on Deep-seated Minerals' Exploration & Policy Concern led Industry Perspectives vis a vis expectation with an overview of auction regime over last 4 years, since amendment in MMDR Act-2015 through vital statistics. He also suggested need of immediate path correction without further delay in the long-term interest of mineral security of the Nation. Mr. Sachin Samar – Zawar Mines presented on sustainable mining for better future covering best practices adopted by the company.

111 Engineering Students get scholarships under

Yashad Sumedha Scholarship Program



Hindustan Zinc runs its 'Yashad Sumedha' initiative where young minds are motivated financially to come forward and secure their future.

This year, under 'Yashad Sumedha Scholarship', the company is sponsoring engineering degree of select 111 students (both boys & girls) who belong to household having annual income of less than Rs 2.5 lakhs and have scored marks above 75%. On the occasion of its Foundation Day, Hindustan Zinc organized a Yashad Sumedha Scholarship Distribution Ceremony on 10th January 2019 at Head Office, Udaipur.

Hindustan Zinc has been sponsoring students for several years and in this process, the company has partnered with Sumedha Foundation in identifying these selected students who have limited financial resources but are enrolled in Government Engineering Colleges located in 5 districts of Rajasthan – Udaipur, Bhilwara, Chittorgarh, Rajsamand and Ajmer.



Sakhi Stitching Day Celebration at RDC



To celebrate the hard work of Sakhi SHG women, who were engaged in stitching uniform Khushi Baatiye under at Sunariya Kheda stitching centre, a small event was organized on 14th February 2019. Rajpura Dariba Complex team gave these women a day off from their busy schedule & decided to rejuvenate their energies & enthusiasm again through fun games & celebrations organized for them. Currently, 30 women are getting benefitted through the orders of stitching Khushi Baatiye uniforms and are easily being able to earn on average of Rs. 2500-3000 every month. More than 15000 pair of shirts and skirts have been stitched so far.

World Music Festival 2019

Hindustan Zinc, in continuation to its efforts to promote art & culture has been supporting World Music Festival for many years. The festival features diverse music from different continents and regions. Around 150 artists from over 15 countries participate in this 3-day festival. Through this initiative, Hindustan Zinc is taking world class music to the doorsteps of a common man. This year, the festival was organized from 15th - 17th February 2019. The company is also supporting Seher - a musical event from past 3 years.

BPO Training Program at HZL

Business Process Outsourcing (BPO) training program were conducted at Dariba and Agucha in quarter 4 that was successfully completed with job offers to all the 50 students. The graduate youth from community attended 6 months training program at both locations. This program is being run in partnership with IISD.

Under Hindustan Zinc's skill development initiatives, BPO Training Centre has been established & is being running successfully at Railmagra, RDC location since August 2018. 18 students in its first batch has been receiving training on communication and soft skills in collaboration with IISD for a duration of six months now. Out of 18, 15 have got placed at the job fair that was held at Gulabpura, Agucha on 30th January 2019 at different call centres and IT back-office work.



जावर माइन्स में 'स्माइल ऑन व्हील' हैल्थ प्रोजेक्ट

हिन्दुस्तान ज़िंक के ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जावर माइन्स के आस-पास बसे 28 गाँवों में माह जनवरी 2019 में 1271 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जाँच, परामर्श और चिकित्सा की गई।

हिन्दुस्तान ज़िंक जावर में अक्टूबर 2019 से शुभारम्भ की गई परियोजना के अन्तर्गत पूर्णतया सुसज्जित मोबाइल वेन गाँव-गाँव में घूमकर ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया करवा रही है। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा संचालित इस परियोजना को पार्टनर संस्था स्माइल फाउण्डेशन द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। डॉक्टर, नर्स, फारमैसिस्ट और कम्युनिटी मोबालाइजर और आवश्यक लेब टेस्ट किट से सुसज्जित वेन द्वारा स्वास्थ्य जाँच, लेब

टेस्ट और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अलावा एन्टीनेटल और पोस्ट नेटल चेकअप से इस माह 17 माताओं को लाभान्वित किया गया है। खुशी आंगनवाड़ी परियोजना में सम्मिलित आंगनवाड़ियों के पंजीकृत 492 बच्चों को भी स्वास्थ्य जाँच कर जानकारी के साथ मेडिसिन प्रदान की जा रही है। प्रत्येक माह में होने वाले कैम्प की समय सारणी का रोस्टर तैयार किया गया है। जिसमें जावर, टीड़ी, केवड़ा, अमरपुरा, पाड़ला, चणावदा, ओड़ा, भालड़िया, जाबला, पडुणा पंचायत के चयनित 28 गाँव सम्मिलित हैं। 136 विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम से भी जोड़ा गया है।



Blood Donation Camp at RAM



On 30th January 2019, a Blood Donation Camp was organized in Agucha where more than 70 people donated the blood. The camp was organized with a support of local administration and other civil society organizations. CSR team, SDM, BDO and Civil Society Organizations of Gulabpura and hospitals were also present.

दन्त चिकित्सा शिविर



डी.ए.वी. एच.जेड.एल. विद्यालय में 'दन्त चिकित्सा शिविर' का आयोजन किया गया। यह शिविर 'दर्शन डेन्टल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, उदयपुर के चिकित्सक डॉ. हिदासत के नेतृत्व में रखा गया।

कक्षा 1 से 10 वीं तक के 295 विद्यार्थियों ने शिविर में दाँतों का चेक अप कराया। दाँतों की नियमित साफ-सफाई के लिये काउंसलिंग भी की गई। इस अवसर पर सी.एस.आर. से श्रीमती अरुणा चीता भी उपस्थित थीं।

अन्त में प्रधानाचार्य – श्री हरबंस ठाकुर जी ने इस लोकोपकारी शिविर के आयोजन के लिए सभी चिकित्सकों को आभार व्यक्त किया।

Medical Health Camp at RAM

Around 80 health camps were conducted in 30 operational villages of Agucha where more than 2400 patients benefitted in all the villages in collaboration with Smile Foundation. The purpose of initiating of Mobile Health Unit is to provide door-step medical services to rural & tribal people.

“I know of nothing more despicable and pathetic than a man who devotes all the hours of waking day to the making of money for money's sake. I believe the power to make money is a gift of God to be developed and used to the best of our ability for the good of mankind. Having been endowed with the gift I possess, I believe it is my duty to make money and still more money and to use the money I make for the good of my fellow man according to the dictates of my conscience. It is a religious duty to get all the money you can, fairly and honestly; to keep all you can, and to give away all you can...”

- John Davison Rockefeller Sr., American Oil Industry Business Magnate, Philanthropist



Samadhan Project at Zawar Mines

A Kisaan Mela was organized on 4th January 2019 by Zawar Mines team where around 580 farmers were present. This program was organized in order to harness the value created through HZL's flagship program, Samadhan and to guide the farmers in various techniques and schemes available.

69 Artificial Insemination Service centres were operational under Samadhan project at Zawar Mines. 8 animal health camps were also organized across 8 villages of Zawar cluster.



Samadhan - A Transformation Agent for Dharama

Dharama Rameshwar Pandya from village Moonga ka Kheda cluster Chanderiya, planted Wadi in 2010-11 with 80 Guavas, which is under fruiting since 2014. He has replicated it in his farm and planted 240 plants in another 4 beegha land where he is earning around Rs. 4 lacs per annum. He has purchased his own four wheeler tempo for selling of Guavas.

He is also connected with Head Office Udaipur to sell Guava, where in a day he has sold 106 kgs of Guavas in 4 hrs. He has also been provided with a platform in Zinc colony Chanderiya where he has sold around 1.5 quintal of Guavas.



LED Light Installation by RDC team

Rajpura Dariba Complex team distributed LED Lights to approx. 1000 families from more than 10 nearby villages. The families have now been able to use lights more often without worrying about high electricity unit consumption.

Installation of Solar Street Lights by CSC

182 Solar Lights were installed in 7 villages of nearby plant area by Chanderiya Smelting Complex team. These Solar Lights having 20 watt capacity were installed in Ajoliya ka Kheda, Biliya, Nagri, Moong ka Kheda, Putholi, Gusai Kheda, Shivpura, Medikheda and Bhawanipura villages.

Installation of Solar Pump at Sunariya Kheda Village

There were repetitive issues of water scarcity that villagers of Sunariya Kheda were facing due to scanty rainfall and low underground water recharge that has happened in the last few months. 10 HP capacity of Solar Pumps were installed by Rajpura Dariba Complex team to aid villagers.



ज़ावर माइन्स द्वारा सोलर लाइट्स की स्थापना

हिन्दुस्तान ज़िंक ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सौर उर्जा को प्रोन्नत करने आस-पास के गाँवों में सौर उर्जा से बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सौर लाइट्स मुहैया करवाई गई हैं। इस श्रृंखला में पिछले तीन-चार वर्षों में 110 लाइट्स 20 वाट की क्षमता वाली लगाई गई। सौर स्ट्रीट लाइट से इस वर्ष 9 गाँवों को लाभान्वित किया गया है।

ज़ावर-टीड़ी रोड़ पर 40 वाट की 16 सोलर लाइट्स स्थापित की गई है जिससे जावर टीड़ी की नव निर्मित रोड़ रात्रि में रोशनीमय हो गयी है। गत वर्ष नेवातलाई, पाड़ला,

ज़ावर, सिंघटवाड़ा और कानपुर टीड़ी की 17 सोलर लाइट्स को पुनः रिपेयर किया गया। उल्लेखनीय है कि हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा वर्ष 2015-16 में जावर पंचायत में 10 सोलर स्ट्रीट लाइट्स से उदिया खेड़ा, हल्दीघाटी, रामानाथ इत्यादि स्थानों का विद्युतीकरण किया गया। 2016-17 में सिंघटवाड़ा, कृष्णपुरा, टीड़ी, नेवातलाई, ज़ावर और चणावदा में 25 सोलर स्ट्रीट लाइट्स स्थापित की गई। वर्ष 2017-18 में जावर, रवा, धावड़ीतलाई, टीड़ी, गोज्या, काली पीपली, सिंघटवाड़ा, कृष्णपुरा, तलाबफला, ओड़ा, एकलिंगपुरा, नेवातलाई,

भालड़िया एवं चणावदा में 40 लाइट्स स्थापित की गई। साथ ही कानपुर में सखी योजना के अन्तर्गत आदर्श ग्राम योजना में 10 स्ट्रीट लाइट्स स्थापित की गई जिसमें धुआँ रहित चूल्हा देकर और 50 सोलर लालटेन द्वारा 50 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। सौर लाइट्स द्वारा गाँवों में स्थित नंदघर, विद्यालय, जैन मन्दिर रोड़, जावर माता रोड़, मुख्य चौपाल और सामुदायिक भवन रोड़ पर ग्रामीण समुदाय के आवागमन को सुरक्षित बनाने का कार्य किया गया है।

सड़क सुरक्षा सांझी जिम्मेदारी

02 मार्च 2019 को हिन्दुस्तान ज़िंक एवं राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी के संयुक्त प्रयास से लाये जा रहे राजस्थान सड़क सुरक्षा शिक्षा एवं जागृति मिशन के अंतर्गत ड्राईविंग ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट रेलमगरा में आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा हितधारकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजसमंद एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजसमन्द के सचिव श्री नरेन्द्र गहलोत ने कहा कि सड़क सुरक्षा किसी एक विभाग एवं संस्था की जिम्मेदारी न होकर यह सांझी जिम्मेदारी है। उन्होंने इस मिशन की सराहना करते हुए एक प्लेटफॉर्म पर सभी सड़क



सुरक्षा हितधारकों को कार्यशाला में शामिल करने पर हिन्दुस्तान ज़िंक एवं राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी टीम को मिशन की सफलता की शुभकामनाएँ देते हुए अपने प्राधिकरण की ओर से ग्राम पंचायत स्तरीय पेरा लीगल वॉलेन्टियर्स को भी इस मिशन से जोड़ा जाए, इसके लिए उनको सड़क सुरक्षा का आधारभूत प्रशिक्षण ऐसे संस्थान में दिया जाए तो इस मिशन को व्यापक रूप से सफल बनाने में वो मददगार साबित होंगे। वर्ष 2018 में की गई सड़क सुरक्षा गतिविधियों में श्रेष्ठ शिक्षक, श्रेष्ठ सहायक शिक्षक, श्रेष्ठ विद्यालय, श्रेष्ठ प्रधानाचार्य में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किये गए। साथ ही सड़क सुरक्षा युवा समिति के दो-दो सदस्यों को सम्मानित किया गया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार सड़क सुरक्षा के तकनीकी सलाहकार डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा मानकों में किए गए परिवर्तन एवं नवाचारों के साथ मोटर वाहन चालन विनिमय 2017 के बारे में विस्तार से बताया।

Unchi Udaan Exam for new batches at CSC

Under Unchi Udaan Project, an exam was conducted for 9th & 10th class students on 28th February 2019 at Chanderiya Smelting Complex. Students from nearby schools who scored 75% & above in previous class were eligible to attend the exam. 73 students participated in the exam conducted at Putholi School. Selected students will be sent to Vidya Bhawan Society, Udaipur where Engineering Exam Coaching will be provided to them through Resonance Institute.

शिक्षा सम्बल से मिला मुझे सम्बल - संजय सेन

संजय वर्ष 2007 से ही हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षा सम्बल कार्यक्रम से जुड़े हैं व गणित विषय का अध्यापन शिक्षा सम्बल कार्यक्रम के अन्तर्गत करवा रहे हैं। शारीरिक अक्षमता संजय के आत्मविश्वास व धैर्य को डिगा नहीं पायी और संजय निरन्तर अपने शैक्षणिक क्षमता के माध्यम से हिन्दुस्तान जिंक के आस-पास के विद्यालयों में कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों के साथ पूरी तन्मयता से लगे रहे और आज भी विद्या भवन सोसायटी के साथ मिलकर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेहन्दुरिया व धनेरिया में विद्यार्थियों को गणित जैसे कठिन विषय को सरल तरीके से पढ़ा कर इन विद्यालयों का परीक्षा परिणाम वर्षों से गणित विषय में शत-प्रतिशत लाने में सफल हो पा रहे हैं।

Khushi Baatiye Campaign launch at Kayad Mine



Under Khushi project, Kayad Mine employees came together and contributed pair of uniform and shoes for 3500 children of 172 Khushi Anganwadi Centres on 9th February 2019.

माइंडस्पार्क कम्प्यूटर शिक्षा से स्कूली बच्चों को मिली पढ़ाई में सहायता



रामपुरा अगुचा माइन टीम द्वारा 5 सरकारी स्कूलों में माइंडस्पार्क कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षा संबल कार्यक्रम की पहल है और पहली से आठवीं कक्षा के 700 से अधिक छात्रों को लाभ पहुंचा रहा है। इस कार्यक्रम से इन बच्चों को तैयार करने के लिए सरकारी स्कूलों को तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। यह कार्यक्रम 2 विषयों हिंदी और गणित पर केंद्रित है। एक डैशबोर्ड शामिल है जो छात्रों के आगे मार्गदर्शन के लिए शिक्षकों और स्कूल के कर्मचारियों के साथ साझा किया जाता है।

प्रत्येक बच्चे के सीखने के स्तर के आधार पर बच्चों को 1 से 8 वीं कक्षा तक गणित और हिंदी सीखने में मदद करने के लिए, कायड माइन टीम ने कायड और घोघरा सीनियर सैकण्डरी में 30 लैपटॉप के साथ 2

माइंडस्पार्क लेब स्थापित की हैं। स्कूलों में माइंडस्पार्क के लिए नियमित कक्षाएँ फरवरी 2019 से शुरू हुईं। ज़ावर माइंस टीम द्वारा सीनियर सैकण्डरी स्कूल, नेवातलाई में माइंडस्पार्क कार्यक्रम शुरू किया गया है। पहली से आठवीं कक्षा के लगभग 125 छात्र कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे।

राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स ने अपने सामाजिक कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय – राजपुरा, मेहन्दुरिया एवं नया दरीबा में कम्प्यूटर लेब की स्थापान की जिसमें प्रत्येक विद्यालय में 15 लैपटॉप एवं फर्नीचर लगवाये गये जिसके माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को कम्प्यूटर के माध्यम से गणित व हिन्दी का अध्ययन करवाया जाता है जो कि प्रत्येक बच्चे के लिए बहुत उपयोगी है। प्रत्येक बच्चे का प्री-टेस्ट लिया जाता है, जिससे विद्यार्थी के लेवल का आकलन हो जाता है जिसके उपरान्त उस बच्चे के शिक्षा का स्तर मापा जाता है, उसी के अनुरूप उसकी प्रश्नोत्तरी बनती है और विद्यार्थी का लेवल के अनुरूप आगे अध्ययन में सहयोगी होता है। कार्यक्रम में सम्बन्धित बच्चों ने बताया कि उनको गणित व हिन्दी विषय में इस तकनीक के माध्यम से बच्चों का रुझान इन विषयों में बढ़ रहा है, साथ ही यह कार्यक्रम निश्चित रूप से उनके अध्ययन में सहायक होगा।

Shiksha Sambal by HZL

The winter camps were organized under Shiksha Sambal project for Classes X & XII students who participated in 17 camps conducted across Udaipur, Rajsamand, Chittorgarh, Bhilwara and Ajmer. The course of this camp was from 25th December 2018 - 7th January 2019. 1600 students were part of these camps of 56 project schools. Under the camps, students learn in small groups and each group was provided with a mentor to ensure personal attention to each student. Self-reading and group discussions were highly encouraged in this camp, where the focus was to prepare the students for Board Exams.



Shiksha Sambal Felicitation Program at Kayad Mine

Under project Shiksha Sambal, felicitation program for meritorious students from all 7 schools was organized, where 120 people were honoured including 56 students, 7 school principals, 22 school teachers and 35 students who performed well in sports at district level.

Formation of Sakhi Federation at HZL

Zawar Mines have reached a big milestone in Sakhi journey in partnership with partner NGO as after phase - 1 of SHG formation and phase 2 of village organization formation, the team have finally reached the third phase of federation formation where they have brought representatives of 23 villages into one big organization. Sakhi Shakti Federation, Zawar have the membership of more than 4200 tribal women from 23 villages.

Sakhi Federation - Udaan was inaugurated at Agucha on 9th January 2019. More than 600 women participated in the event. The representatives were selected amongst these women by the women. Currently, more than 3500 women are part of Sakhi program with 20 VOs in 20 villages. Female employees from Finance team Agucha were also present and encouraged the women during the event.

The women from all surrounding Sakhi SHGs first received a VO formation training from 5th - 7th January 2019 by Rajpura Dariba Complex team where these women were briefed about the benefits and advantages of having wider and stronger platform like Gram Sabha/ Federation and its different aspects. On 9th January 2019, the inauguration ceremony of Federation took place where Manju Devi - Samuh Sakhi from Dariba got elected as president of Sakhi Samridhi Federation with her other elected team members who received the cheque amount of Rs. 1 lakh rupees from HZL supporting their vision and mission of constituting Federation.

Sakhi Sangam Federation was formed at Putholi village, Chanderiya Location. Around 300 SHGs having 3500 women from nearby villages were covered under this federation. Initial support grant was provided by HZL with a sum of Rs. 1 lakh. The program was organized in Putholi Sr. School in the presence of village sarpanch and Location Head-CSC.



नन्हें बच्चों की खुशियों का घर नन्दघर - पोसवाल

9 फरवरी 2019 को जिला कलक्टर राजसमन्द – श्री अरविन्द पोसवाल ने राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स के सी.एस.आर के तहत ग्राम कोटड़ी में सामुदायिक आर.ओ. का अवलोकन किया तथा शुद्ध पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली। इस अवसर पर कोटड़ी सरपंच – श्रीमती रेखा जाट द्वारा जिला कलक्टर को हिन्दुस्तान जिक द्वारा आस-पास के क्षेत्रों में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। रेलमगरा स्थित आंगनवाड़ी 6 को नन्दघर के रूप में परिवर्तित किया गया जिसका उद्घाटन जिला कलक्टर के कर-कमलों द्वारा किया गया व नन्दघर में उपस्थित बच्चों को हिन्दुस्तान जिक स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा बनायी गयी यूनिफॉर्म वितरित की गई। जिला कलक्टर ने नन्दघर का अवलोकन किया व हिन्दुस्तान जिक, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जतन संस्थान के साथ मिल कर राजसमन्द जिले में बनाये जाने वाले नन्दघर व आंगनवाड़ी में दी जाने वाली सुविधाओं पर चर्चा की।



Ratri Chaupal at Zawar Mines: A platform to connect with farmers through regular dialogue

Zawar Mines along with partner NGO conducted first ever Ratri Chaupal at Tidi on 12th March 2019. A Government Supervisor was invited to benefit farmer community through convergence of Govt. schemes with the regular intervention being provided under Samadhan project.

The objective was to engage male farmers as they are usually not available during daytime. As a part of this initiative, 19 male farmers and 28 female farmers attended the meeting.

Mr. Swarn Singh Jathav, a Government agriculture educator provided tips to the farmers about schemes of organic farming, field levelling, goat farming and existing livestock management to enhance their annual income through farm-based livelihood. Mr. Shubham Gupta from CSR team along with CSR field staff was present during the meeting.

Skill Development Program at RAM



On 30th January 2019, a Job Fair was organized in Agucha where more than 18 companies i.e. Havels, Jaipan, Teleperformance, etc. participated. The jobs were offered in fields like agriculture, electrical, BPO, etc. according to educational qualifications of the youth. More than 550 youth from Agucha and other HZL locations participated out of which 162 rural youth were short-listed for further process.

Mr. Amitabh Gupta - Director Commercial, Mr. Navin Jaju - Agucha SBU-Finance Head, CSR team and business partners were present during the program.

CSR Tableau on Republic Day at CSC

CSR Tableau was presented on Republic Day event celebration at Indira Gandhi Stadium, Chittorgarh. CSR projects were displayed through presenting live models of program like Nandghar, Khushi, Sakhi, Samadhan, Shiksha Sambal, Mindspark, to name a few. It was first time when any corporate participated in this event. More than 5000 residents of Chittorgarh city witnessed the event.

Nand Ghar Inauguration at Kayad Mine

A Nand Ghar was inaugurated by IG Ajmer and DD ICDS Department along with Unit Head. 15 Greenfield Nand Ghars were inaugurated and handed over to the ICDS department in February 2019.



Potable Water Supply at RAM

More than 3000kl water was supplied through tankers in 4 nearby villages i.e., Bherukheda-I, Parasrampura, Bherukheda-II and Kheda Palola benefitting more than 2700 people.

Installation of Pipeline in Biliya village

Installation of Pipeline in Biliya village is under progress. Earlier pipeline in the village got damaged from many places therefore approx. 2400 mtr GI pipeline has been installed covering whole village.

Construction of Classroom by CSC

Construction of classrooms at Sec. School, Biliya and Sr. Sec. School, Putholi are in the verge of completion. Biliya School has been upgraded to Secondary School that required an additional classroom.

Infrastructure Project

Community centre extension and Ladies Bathroom construction jobs at Ajoliya ka Kheda villages are under progress which will be completed in a month.

जिला स्तरीय खुशी पोषण मेला

राजसमन्द में कुपोषण स्तर को कम करने के लिए हिंदुस्तान जिंक महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जतन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में संचालित खुशी परियोजना के अंतर्गत 5 मार्च 2019 को खुशी पोषण मेला का आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खुशी परियोजना की उपलब्धियाँ साझा करना, टीएचआर की महत्वता और उपयोगिता को बढ़ाना, स्वास्थ्य

एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका के पोषण पर क्षमता वर्धन हेतु मंच देना, कार्यक्रम को उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाना, साथ ही नए-नए तरीकों से टीएचआर को ज्यादा से ज्यादा उपयोगी कैसे बना सकें, उस बारे में बताया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन हिन्दुस्तान जिंक सी.एस.आर. टीम, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और

राजसमन्द के 7 ब्लॉक से आंगनवाड़ी सहायिका और कार्यकर्ता की उपस्थिति में किया गया, इस कार्यक्रम में लगभग 550 आंगनवाड़ी सहायिका और कार्यकर्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। मेले के मुख्य आकर्षण का केंद्र रेलमगरा, खमनोर, राजसमन्द की सहायिका द्वारा टीएचआर के भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजन की स्टॉल रही जिस पर अनेक प्रकार के पौष्टिक व्यंजन के साथ ही सभी ने विभिन्न प्रकार के खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

Employee Engagement Program at RAM

Mr. I.A. Satish - Safety Head, Agucha delivered a session on road safety & industrial safety to the students at BPO training program on 8th January 2019. CSR team, youth from community and M/s IISD (partner) were also present during the program.

Agucha Finance team, visited Samadhan program in village Khati Kheda on 12th January 2019. They interacted with the farmers to gather knowledge about agriculture and appreciated the team for the same.

Agucha Finance team also visited Mindspark program in government school on 22nd February 2019 to understand how the scholastic support provided to government schools has helped the young students. The team interacted with the students, principal and school staff.



Inaugural Ceremony of Durrie Making Vocational Training Centre at Sindesar Kalan

As a part of Sakhi project, some of the selected women from SHG groups are being provided with vocational skill training in Durrie making through a new training centre by Rajpura Dariba Complex team and partner NGOs. The idea of establishing such a center is to

promote sustainable livelihood opportunities & investing in their capacities to be able to connect them with some market linkage for their handmade goods. The Inaugural Ceremony of Durrie Making Vocational Training Centre was

organized at Sindesar Kalan, Railmagra on 17th January 2019 where more than 60 women from surrounding villages were present.

हिन्दुस्तान ज़िंक की समाधान परियोजना के तहत कृषक भ्रमण

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा बीआईएसएलडी के सहयोग से संचालित समाधान परियोजना के तहत चार दिवसीय जैन इरिगेशन महाराष्ट्र कृषक भ्रमण रखा गया, जिसमें सभी संकुल से सघन बागवानी के व समाधान स्टॉफ 37 किसानों को जैन इरिगेशन विजिट करवाया गया। इस दौरान फलदार पौधे विजिट करवाए गए जिसमें अमरुद, चीकू, नींबू, आम, केला, बेर, आदि



फलदार प्लांट विजिट किए और सब पर ड्रिप इरिगेशन के माध्यम से सिंचाई के बारे में बताया गया कि कम पानी में भी ज्यादा मात्रा में फलदार पौधों की सिंचाई कर सकते हैं। किसानों को टिशु कल्चर की नई तकनीक, कृषि उपकरण, सघन बागवानी में आम, अमरुद, चीकू, पपीता, केले, सीताफल के पौधों में कटाई व छंटाई, हाइड्रॉपॉनिक्स की खेती, एरोपॉनिक्स की खेती के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान

जैन इरिगेशन द्वारा स्थापित गाँधी जी की खोज का भवन एवं निरीक्षण और जीवन प्रणाली के बारे में जानकारी ली गई। जिससे सभी किसानों ने उत्साहपूर्वक ज्ञान अर्जित किया।

Farmers' Training Program at CSC

Under Samadhan project, 4 training programs were organized for farmers in 4 nearby villages. About 600 farmers participated. Scientist from KVK Chittorgarh gave training to these farmers to improve their farm income and to provide solutions to their problems.



राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स द्वारा राष्ट्रीय किसान मेला का आयोजन



3 जनवरी 2019 को हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा संचालित समाधान परियोजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत राजपुरा के मालीखेड़ा गाँव में एक दिवसीय राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित तथा सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम में 20 गाँवों के 45 किसान समूहों के 650 से अधिक किसानों ने भाग लिया जिनमें से 250 से अधिक महिला किसानों की भागीदारी थी।

हिन्दुस्तान ज़िंक अपने कार्यक्षेत्र के आस-पास ग्रामीण विकास के लिये सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा हेतु शिक्षा संबल, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण हेतु सखी, कृषि एवं पशुपालन विकास हेतु समाधान परियोजना, पर्यावरण, खेलकूद एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु खुशी परियोजना का संचालन कर रहा है। इसके साथ ही कौशल विकास कार्यक्रम के तहत माइनिंग अकादमी, मारुती तथा

अम्बुजा के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। साथ ही कम्पनी सुरक्षा के लिये भी आस-पास के ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है ताकि सभी कार्यक्षेत्र, घर एवं सड़क पर सुरक्षित रहें। इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों को उनके द्वारा खेती में किये गये नवाचारों और खेती में उन्नत तकनीक के क्रियान्वयन हेतु सम्मानित किया गया।





राजपुरा के लादू एवं ऋषिराज राजस्थान कबड्डी टीम में

64वीं राष्ट्रीय विद्यालयों की कबड्डी प्रतियोगिता 14 वर्ष छात्र वर्ग सत्र 2018-19 की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन प्रशिक्षण राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माली खेड़ा के सूरजबारी माता मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। इसमें राजस्थान टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन हुआ जिसका सम्मान समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय – राजपुरा में रखा गया। उल्लेखनीय है कि उक्त राजस्थान टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों में लादूलाल पियाल एवं ऋषिराज राजपुरा दरीबा ने बिहार-पटना में 22 फरवरी 2019 को आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में राजस्थान टीम का नेतृत्व किया।

District Level Kabaddi Tournament by Kayad Mine

A 2-day Kabaddi Tournament was organized by Kayad Mine where 24 teams from nearby Gram Panchayats participated. Local Sarpanch and Unit Head Kayad Mine chaired the event.



हिन्दुस्तान जिंक ने मनाया 70वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

मानव संसाधन की सुरक्षा बहुत जरूरी है। सुरक्षा स्वयं की जिम्मेदारी भी है, सुरक्षा की अहमीयत को समझना चाहिए। माइंस एवं प्लांट्स में कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपकरणों का उपयोग शक्ति से लागू होना चाहिए। कार्य के दौरान हेलमेट पहनना, वाहन चलाते समय सीट-बेल्ट जैसे उपकरणों का उपयोग जरूरी होना चाहिए। किसी को भी लगे कि सुरक्षा के प्रति असावधानी हो रही है उसको तुरन्त वहीं रोकना चाहिए और उन्हें सख्ती से सुरक्षा उपकरणों के उपयोग एवं अनुपालन के लिए प्रेरित करें। सुरक्षा के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही के प्रति समझौता नहीं होना चाहिए तथा सुरक्षा ही सर्वोपरि प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी का प्रयास होना चाहिए कि हम सदैव 'जीरो हार्म' एवं 'जीरो फेटलटी' रहे। हम सभी ने कठिन मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा एवं सम्पूर्ण सहयोग से कंपनी ने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं और आगे भी नये कीर्तिमान स्थापित करेंगे। ये विचार हिन्दुस्तान जिंक के प्रधान कार्यालय के प्रांगण में 70वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक की चीफ पीपुल ऑफिसर – सुश्री कविता सिंह ने कर्मचारियों एवं उनके परिजनों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए व्यक्त किए।



कंपनी की सभी इकाइयों में 70वाँ गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया।

“

“The economic issues are most vital for us and it is of the highest importance that we should fight our biggest enemies - Poverty, Unemployment. Whether it is Agriculture or Industrial Development, or for that matter, development in other fields, the basic fact remains - that it would serve the largest number of our people.”

- Lal Bahadur Shastri, 2nd Prime Minister of India, Man of Peace

”

Voice on Kindness



Hindustan Zinc establishes the culture of audio-described movies for visually-impaired in India



Hindustan Zinc under its Jeevan Tarang project organized an audio-described screening of 'Hichki' for the visually impaired people of Rajasthan on 20th January, 27th January & 3rd February 2019 in Udaipur, Ajmer and Bhilwara at INOX Cinemas respectively. The screening was attended by an audience of over 250 visually impaired children and old aged people who were accompanied by 100 Hindustan Zinc employees as part of employee engagement program. This mega campaign was kicked-off from Udaipur in the presence of Hon'ble Ms. Shuchi Sharma - Former Secretary, Social Justice & Empowerment, Rajasthan.

The company is establishing the culture of showcasing these audio-described movies and organizing the special screening for visually impaired people with 'Hichki' as its 2nd movie release wherein movie 'Dangal' was released last year in the same format.

In countries like USA, Canada and Australia, it is mandatory

that all films must also release an audio-described version, which plays in mainstream cinema halls. In India, the concept is still evolving and there are very few movies in audio-described format that can entertain the movie buffs who cannot understand the portion of movies that are without dialogues.

Earlier, the visually impaired could only hear the dialogue portions and during the non-dialogue portions, they wouldn't know what was happening on screen. People with normal sight react to emotions and scenes that they can see, but the visually challenged can't and it is very difficult for them to understand the storyline appropriately. Whereas in audio-described movies, there is an audio track that describes everything that's playing on screen, in between dialogues with the help of a separate audio track where the narrator describes segments without dialogues. The audio descriptions are also known as a visual description.

Chanderiya Family Day Celebration at a glance

Continuing with the excitement and passion last year, Chanderiya Smelting Complex team celebrated Chanderiya Family Day on 20th January 2019.

Sunday was Funday where employees & their family members, under the leadership of Location Head - Mr. Pankaj Kumar Sharma came together and enjoyed the day through different activities – games, sitolia, kite flying, tug-of-war, dodge ball, lemon race, to name a few. The employees & their families experienced unique village ambience where they savoured traditional flavours and vibrant culture of Rajasthan.

With sky lanterns floating in the sky and lighting the environment with bone-fire, the day was concluded with positivity and togetherness.

International Women's Week at HZL

This year, International Women's Week was celebrated on the theme #BalanceForBetter which means better the balance, better will be the world.

International Women's Week was celebrated from 5th - 8th March 2019. The week was filled with various activities like movie screening for employees & families, online quiz and contests, diet & nutrition session, welcome of female employees by HoDs, award ceremony, to name a few.

Aabha at RAM



Aabha, a quarterly engagement initiative for all female employees and trainees across the location was organized on 11th March 2019 by Rampura Agucha Mine team. It is a platform where all female employees come together, interact, share and have fun. The event started with a discussion about famous women leaders in corporate sector. Team building activities were also organized as a part of the program.

Sangini at RDC



Sangini, a quarterly engagement initiative for all female employees and trainees across the location was organized on 7th February 2019 by Rajpura Dariba Complex team. It is a platform where all female employees come together, interact, share and have a recreation time. The event was based on theme My Safety, My Responsibility - Aarohan, where step-change, was discussed and emphasized. Team building activities were conducted during the program. Along with this, Safety Board was also made where all the employees came and shared safety related suggestions.

Dariba Premier League at RDC



Annual Cricket Tournament for FY 2018-19 was organized from 12th - 19th February 2019. It invited participation from all 3 Units of Rajpura Dariba Complex. Employees of business partners were also involved. 12 teams participated in the tournament.

Visit

Nandghar Visit by International Delegates at Kayad Mine



On 2nd February 2019, under the National Nutrition Campaign, the World Bank team visited Ajmer district for the international workshop organized by the Ministry of Women and Child Development, Government of India and World Bank. Delegates from 17 countries along with Director ICDS Department and District Collector visited 3 Nand Ghars in Ajmer. They interacted with children and planted a mango tree in Nand Ghar premises.

Zinc Football Project at Zawar Mines



85 community children were invited to witness MKM match at Zawar Stadium, between DFA Udaipur and Kolkata Football Association. 32 Zinc Football residential academy boys also got the opportunity to see the match.

While visiting FPAC centre, one of the legendary figures Mr. G.S. Sandhu visited and motivated all the players. His 10 minutes of interaction with the boys lit up the whole atmosphere of academy and everyone was feeling moved and motivated as he said - 'If you have self-belief and you know exactly what you are doing, then no one can stop you to reach the destination'.

Deeds to Emulate

Ms. Asha Meena

D/o Mr. Sundar Lal Meena, participated in athletic games like Shotput, Discus Throw, Javelin Throw, to name a few during the National Level School Game of Federation India at Zinc School Hurda, Rampura Agucha Mine.

“The villages in the country must be built up to be completely self-sufficient, and able to supply all their own needs. For this, village groups should be formed— a few villages going to form each such group— and the headmen of each group should make it self-sufficient by providing work for all, and seeing that all their wants are met. Thus only can self-government become a reality all over the country. The villagers must be educated, assisted and encouraged to establish primary schools, centres for training in arts and crafts, centres for religious activities, cooperative stores and banks. Our salvation lies in thus making our villages self-reliant and knit together by the ties of corporate life. Our main problem is how to build up model village communities.”

- Rabindranath Tagore, Gurudev, Poet, Writer & Philosopher”

Take a Smart Approach to Summer Vacation



Safety first to ensure a healthy vacation this summer, both while you're away and when you're lounging in your own backyard.

It's summer time. Time to relax and enjoy. But it also means it's time to take precautions against the sun's harmful rays and excessive heat.

Drink Up the H2O

For a healthy summer, drink plenty of water. Avoid caffeinated and alcoholic beverages, which can cause dehydration

Exercise With Caution

If want to exercise outdoors during a heat wave, do it early in the morning when temperatures are lower and the sun is less intense. Hot temperatures can also bring on painful muscle spasms called heat cramps

Eat Fresh

Summer means fresh produce! Reserve a place on your plate every meal for fresh produce and you're sure to reap the tasty rewards.

Breathe Easy

To ensure a healthy summer, stay in cool indoors and take cool showers. Wear loose cotton clothing, too, as a comfortable summer-safety step

Wear Shades

For summer safety, wear sunglasses that protect not only the lens, cornea, and other parts of your eye, but the eyelid and surrounding skin. Choose sunglasses that block 99 percent to 100 percent of both UVA and UVB rays, and select a large lens or wraparound style for best coverage

Don't Get a "Base" Tan

When in the sun, whether you're having an active summer or just taking a walk, be sure to wear sunscreen.

Beware of Critters

Bugs thrive in warm climates. When you're having an active summer outdoors, protect yourself from bites, stings, and infections by wearing an insect repellent

See Your Doctor

If have nagging pains from the winter and spring, seeing your pain doctor is important. Schedule an appointment for a check-up to make sure pain or injury doesn't sideline you this summer.

निर्धन की प्रार्थना

एक बहुत ही गरीब आदमी था। अमीर होने के लिए वह भगवान से प्रार्थना कर रहा था। गरीब की प्रार्थना सुनकर भगवान सोच-विचार में पड़ गए। वह गरीब के सामने प्रकट हुए।

भगवान को सामने देखकर गरीब प्रसन्न हुआ। भगवान ने गरीब से पूछा-“तुम क्या चाहते हो?”

गरीब ने कहा-“मैं अमीर बनना चाहता हूँ।”

भगवान गरीब की इच्छा सुनकर बोले - “मैं तुम्हें अमीर बनाने से पहले दो अमीरों का नाम और पता बताता हूँ। उनसे मिलकर आओ। इसके बाद तुम्हारी अमीर बने की इच्छा पूरी कर दूंगा।”

गरीब भगवान के बताए नाम-पतों को लेकर उन अमीरों से मिलने चल पड़ा। पहले अमीर का पता रास्ते में एक राहगीर से पूछा।

राहगीर ने जवाब दिया-“किस कंजूस का नाम सुबह-सुबह ले लिया। आज दिन भर भोजन मिलना मुश्किल है?”

खैर, गरीब किसी तरह उस अमीर के घर पहुँचा। वह अमीर उस समय खाना खा रहा था। गरीब ने देखा कि सूखी रोटी पानी में भिगोकर खा रहा था। अमीर ने गरीब आगंतुक को देखकर पूछा कि क्या चाहिए? गरीब ने कहा- कुछ नहीं।

दूसरे अमीर का पता पूछते-पूछते वहाँ गया। रास्ते में जिससे भी दूसरे अमीर का नाम-पता पूछा, सभी ने आदर के साथ उसका नाम लिया।

वहाँ पहुँचने पर दूसरे अमीर ने गरीब की बहुत आवभगत की। अमीर ने गरीब को रात्रि विश्राम के लिए रोका। रात्रि को गरीब खाने के लिए बैठा। तरह-तरह के व्यंजन परोसे गये।

दूसरी ओर सामने अमीर भी खाने के लिए बैठा था। पहले वाले अमीर की तरह दूसरे अमीर ने खुद के लिए सूखी रोटी मंगाई। गरीब मेहमान से रहा न गया। उसने अमीर से सूखी रोटी खाने का कारण पूछ ही लिया।

अमीर ने जवाब दिया-“ब्लड प्रेशर, डायबिटीज वगैरह की बीमारी है। डॉक्टर ने स्वादिष्ट व्यंजन खाने से मना किया है।”

सुबह वहाँ से गरीब भगवान के पास गया। अमीर बनने की कामना त्याग कर भगवान के चरणों में गिर पड़ा, कहा-“प्रभु सब तुम्हारी माया है।”

- पुस्तक 'वट वृक्ष की छांव' में

Naughty Sohan made 10 differences while copying the Picture - 1, he missed some and added some in the new Picture - 2. Let's find those 10 differences in Picture - 2.

Oops !!!
Sohan missed some, added some...

Master Picture : Picture - 1



Copied Picture : Picture - 2



- Answers: Picture 2**
1. Purple Shell lying on the ground has been removed.
 2. Colour of Blue Hut has been changed
 3. Ventilation on the Blue Hut has been removed.
 4. Red Flower has been added near the water can.
 5. Chimney on the Red Hut has been removed.
 6. Small Shoe has been added on the extreme right of the picture.
 7. Blue Flower has been added in the extreme left of the picture.
 8. One Wooden Plank to the Door has been added in the picture.
 9. Size of the Bush near the Electric Pole has been increased.
 10. Boundary of the first Mud ground has additional Wooden Stopper.

DIGITAL PRESENCE

- Visit www.hzllndia.com
- Follow CEO, HZL on - www.twitter.com/CEO_HZL
- Follow Chairman on - www.facebook.com/anilagarwal.thegreatergood
- www.facebook.com/hindustanzinc | www.twitter.com/hindustan_zinc | www.linkedin.com/hindustanzinc

Sakhi
सखी

“महिलाओं के लिए, महिलाओं के द्वारा”

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण का संकल्प उजियारा फैले घर में, समाज का कायाकल्प



हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग से 166 गाँवों की 23651 महिला एसएचजी सदस्याएँ समाजोत्थान में दे रही योगदान । हिन्दुस्तान जिंक द्वारा तकनीकी व क्षमतावर्धन कार्यक्रम कर महिलाओं को जागरूक व स्वावलम्बी बनाया जा रहा है । सखी कार्यक्रम का संचालन 2 राज्यों राजस्थान व उत्तराखण्ड पन्तनगर-उत्तराखण्ड, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर ज़िले में किया जा रहा है ।

“सखी” लाखों ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण की बुलंद आवाज़ ।



HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India



vedanta
transforming elements

Hindustan Zinc Limited

Yashad Bhawan | Near Swaroop Sagar | Udaipur - 313004 | Rajasthan | India
P: +91 294-6604000-02

www.hzindia.com